RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

आंदोलन नही अखबार

जयपुर
बुधवार
16/अक्टूबर/2024

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

वर्ष: 10: अंक: 178

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

मुख्यमंत्री की कर्मचारियों को खुली चेतावनी

लोगों के काम करो, वरना घर बैठो

आजकल हमारे मुख्यमंत्री जनसुनवाई में लोगों की परेशानियों सुनकर इतने दुखी हुए कि उन्होंने अधिकारियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि आप लोगों को जनसेवा के लिए लगाया है जनता का कष्ट बढ़ाने के लिए नहीं। यदि आप जनता का दुख दर्द कम करने में सक्षम नहीं तो नौकरी छोड़ो और अपने घर बैठो। यह सरकार अब निक्कमें अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं करेगी उन्हें बर्खास्त करने में 1 मिनट लगाएगी।

भजनलाल पहले मुख्यमंत्री है जिन्होंने धरातल की सच्चाई को स्वीकार किया है। लोग जनसुनवाई में अपनी लिखित शिकायतें माननीय मुख्यमंत्री को देते हैं। मुख्यमंत्री पास खड़े सहायक या अधिकारी को देते हैं। बाद में उन शिकायतों का क्या होता है इसका पता नहीं होता है? कई बार मुख्यमंत्री कार्यालय में पत्र जरूर आता है कि आपकी शिकायत संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए भेज दी है।

अमेरिकी चुनाव में भी भारत की तरह मुफ्त रेवड़िया

अरविंद केजरीवाल की तर्ज पर अब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी हार निश्चित मानकर दिल्ली के मुख्यमंत्री की तर्ज पर मुफ्त में रेवड़िया बंटना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने बिजली के बिलों में रियायतें देने की घोषणा की है। यद्यपि अमेरिका में अरविंद केजरीवाल के शुभचिंतकों की कमी नहीं है। जब केजरीवाल को ईडी ने गिरफ्तार किया तो भारत में आम आदमी पार्टी के अलावा किसी ने कोई आंदोलन नहीं किया लेकिन अमेरिका में प्रदर्शन हुए। उन प्रदर्शनों को देखकर अब प्रवासी भारतीयों को लुभाने के लिए ट्रंप ने भारत के राजनेताओं की तरह चुनाव में मुफ्त की रेवड़ियां बांटना शुरू कर दिया है जिसका चुनाव पर क्या असर होगा यह तो समय ही बताएगा? देश चाहे भारत हो या अमेरिका, मुफ्त की रेवड़ियां तो सबको चाहिए।

हर बात पर शिक्षकों का निलंबन करने वाले मधुमक्खियां पर क्या कार्रवाई करेंगे?

एक सरकारी स्कूल में शौचालय का निरीक्षण करते समय हमारे कर्तव्यनिष्ठ शिक्षामंत्री पर मधुमक्खियों ने आक्रमण कर दिया। उन्हें भाग कर जान बचानी पड़ी। ब्लड प्रेशर बढ़ गया तो अस्पताल की शरण लेनी पड़ी। इस घटना से राजस्थान के शिक्षक टिप्पणी कर रहे हैं कि हमारे शिक्षा मंत्री हर छोटी बड़ी घटना पर तत्काल शिक्षकों को निलंबित या एपीओ कर देते हैं। अब मधुमक्खियां के आक्रमण पर उनके साथ क्या करेंगे? जानकारो का मानना है कि शिक्षामंत्री मधुमक्खियां का तो कुछ नहीं बिगाड़ेंगे लेकिन जिनके स्कूल के शौचालय में मधुमक्खियां मिली उनकी शामत आ जाएगी। उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर होगी। वैसे राज्य के शिक्षकों पर हमारे शिक्षा मंत्री का आतंक है। शिक्षक संगठन मौन धारण करके बैठे हैं।

हरियाणा चुनाव पर जीत पर मिल रही दुनिया की बधाई

हरियाणा चुनाव में हुई ऐतिहासिक जीत पर सारी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को बधाई दे रही है लेकिन राजस्थान के पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया को भी बधाई देने वालों का तांता लग रहा है। डॉ. सतीश पूनिया को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाया गया था। पूर्व भाजपा अध्यक्ष को वर्तमान अध्यक्ष मदन राठौड़ बधाई देने पहुंचे। मदन राठौड़ ने कहा भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ सतीश पूनिया की भूमिका भी अहम थी। जानकारों का मानना है कि हरियाणा का चुनाव जाट वर्सेज अदर्श हो गया था लेकिन पूनिया के प्रयासों से जाट समुदाय भाजपा को वोट देने को तैयार हुआ। पूनिया से उपचुनाव लड़ने के लिए पूछा गया तो उन्होंने फिलहाल चुनाव लड़ने से स्पष्ट इनकार कर दिया। इससे लगता है पूनिया को राज्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी।

महाराष्ट्र चुनाव में साथ काम करेंगे गहलोत और पायलट

कांग्रेस ने पूर्व सीएम को मुंबई-कोंकण और सचिन को मराठवाड़ा संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर का जिम्मा दिया

एजेंसी

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को अब कांग्रेस ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए जिम्मेदारी दी है। गहलोत और पायलट को महाराष्ट्र चुनाव में संभाग लेवल पर सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है। अशोक गहलोत को डॉ. जी परमेश्वर के साथ मुंबई और कोंकण संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी है। सचिन पायलट को उत्तम कुमार रेड्डी के साथ मराठवाड़ा संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर का जिम्मा दिया गया है।

अशोक गहलोत हरियाणा विधानसभा चुनाव में सीनियर ऑब्जर्वर थे। पायलट को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में स्टार प्रचारक बनाया गया था। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव के बाद अब दोनों नेता महाराष्ट्र चुनाव में भी काम करेंगे। दोनों को महाराष्ट्र में स्टार प्रचारक बनाया जाना भी तय माना जा रहा है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को वोटिंग होगी।

महाराष्ट्र व झारखंड में विधानसभा चुनावों की घोषणा

महाराष्ट्र में एक चरण में तो झारखंड में दो चरणों में वोटिंग

महाराष्ट्र में 20 नवंबर, झारखंड में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं झारखंड में 2 फेज में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों के चुनाव नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को और झारखंड का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग ने मंगलवार दोपहर 3.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करके 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान भी किया। लोकसभा सीटों में केरल की वायनाड में 13 नवंबर और महाराष्ट्र के नांदेड़ में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं, 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

उपचुनाव : 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर वोटिंग 13 नवंबर को

चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र-झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का भी ऐलान किया। केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। 48 विधानसभा सीटों में से सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश की 9 सीटें हैं। हालांकि, मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। दरअसल, 2022 विधानसभा में सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने जीत हासिल की थी। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी बाबा गोरखनाथ ने उनके चुनावी हलफनामें में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसे लेकर उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अवधेश प्रसाद का चुनाव रद्द करने की मांग भी की थी। मामले में अभी फैसला नहीं आया है इसलिए मिल्कीपुर में उपचुनाव की घोषणा नहीं हुई है। इसके अलावा राजस्थान की 7, पश्चिम बंगाल की 6, असम की 5, बिहार और पंजाब की 4-4, कर्नाटक की 3, केरल, मध्य प्रदेश और सिक्किम की 2-2, गुजरात, उत्तराखंड, मेघालय और छत्तीसगढ़ की 1-1 विधानसभा सीट उपचुनाव होगा।

राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग

23 नवंबर को आएंगे रिजल्ट, 5 विधायक सांसद बन चुके, 2 का निधन हो चुका

जयपुर। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। प्रदेश में झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर चौरासी, सलूंबर, रामगढ़ सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। नामांकन की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी और आखिरी तारीख 25 अक्टूबर होगी। नामांकन वापस 30 अक्टूबर तक ले सकते हैं। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के 11 महीने के भीतर ही इन सीटों पर फिर इलेक्शन होंगे। इनमें से 5 सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीटें विधायकों के निधन के कारण खाली हैं।

मंत्रियों की कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट

एसआई भर्ती रद्द करने पर नहीं हुआ कोई फैसला

कानून मंत्री बोले- मुख्यमंत्री करेंगे निर्णय

एजेंसी

जयपुर। सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती को लेकर बनी मंत्रियों की कमेटी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। अब भर्ती रद्द करने अथवा नहीं करने पर फैसला मुख्यमंत्री के स्तर पर होगा। सीएम के जर्मनी दौरे से लौटने के बाद ही इस पर फैसला होगा। मंत्रियों की कमेटी ने फैक्ट के साथ रिपोर्ट और एक्सपर्ट की अलग-अलग राय भी दी है।

कमेटी के संयोजक और कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने भर्ती रद्द करने की सिफारिश से इनकार किया है। पटेल ने कहा- हमने तथ्यात्मक रिपोर्ट दी है। इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर फैसला लेगी। अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। निर्णय करने का अधिकार हमारा नहीं है। हमने निर्णय करने के लिए तथ्यात्मक रिपोर्ट दी है। उसमें यह तथ्य भी है कि अनेक अभ्यर्थी ऐसे होंगे। जो कड़ी मेहनत करने के बाद परीक्षा में पास हुए होंगे। अनेक लोग ऐसे हैं, जो डमी कैंडिडेट बैठाकर और नकल करके सफल हुए हैं। इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर फैसला लेगी। अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है।

सबको सुना है, गड़बड़ी हुई है, फैसला सरकार करेगी

पटेल ने कहा- भर्ती में गड़बड़ी हुई है, आरपीएससी मेंबर तक शामिल रहे हैं। मंत्रिमंडल सब कमेटी ने अनेक पक्षों को सुना है। पेरेंट्स को सुना है, जो पीड़ित थे, उनको भी सुना है। पुलिस की रिपोर्ट को देखा, एसओजी रिपोर्ट को देखा है। लॉ डिपार्टमेंट को सुना और फिर अपने सभी सदस्यों ने एकमत राय से रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी है। अब इसमें मुख्यमंत्री अपना फैसला करेंगे। संभवत: सीएम के विदेश दौरे से लौटने के बाद ही इस पर फैसला होगा।

कानून मंत्री ने कहा- अलग-अलग माध्यम से आ रहा है कि रद्द करने की रिपोर्ट दी है। यह मनगढ़ंत बातें हैं। हमारे किसी सदस्य ने कुछ नहीं बताया। रिपोर्ट में क्या है, यह सीएम को सूचित कर दिया है। हमारी तरफ से रिकमेंड करना था, वह कर दिया है ।

पांच फ्लाइट्स में बम की धमकी दिल्ली-शिकागो कनाडा डायवर्ट

चार ने भारत से उड़ान भरी थी

एजेंसी

नई दिल्ली। 5 फ्लाइट्स में मंगलवार को बम होने की धमकी मिली। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई।

फ्लाइट 24 रडार के मुताबिक, प्लेन ने सोमवार सुबह 3 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी, जिसे दोपहर 4.30 बजे शिकागो पहुंचना था। दिनभर में 5 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किए। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं। जिससे कई सौ यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में ये धमकियां झूठी निकलीं।

जयपुर में प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को इंडिगो एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान ने दमाम से लखनऊ के लिए उड़ान भरी थी। पायलट के पास विमान में बम होने की सूचना पहुंची। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट से संपर्क कर विमान की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। विमान की सीआईएसएफ ने घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। बम निरोधक दस्ते भी मौके पर विमान की जांच की।

रफ्तार का कहर : ट्रोले ने सड़क किनारे खड़े 4 लोगों को कुचला

जयपुर में घर जाने के लिए बाइपास पर खड़े थे, घरवालों को कहा था- आज लेट हो जाएंगे

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में सड़क किनारे खड़े चार लोगों को ट्रॉले ने कुचल दिया। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से पहले तीन लोगों ने घरवालों को फोन किया था, कहा था आज आने में देरी हो जाएगी। हादसा मुरलीपुरा इलाके में 200 फीट बाइपास पर हुई।

दुर्घटना थाना वेस्ट सीआई जयदेव सिंह ने बताया- सोमवार रात 11 बजे हादसा हुआ। हादसे में देव का हरवाड़ा चंदवाजी निवासी लालचंद बुनकर (55), जगदीश प्रसाद गुर्जर (45), शंकर लाल गुर्जर (48) की मौत हो गई। एक व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है, वह मध्यप्रदेश का रहने वाला है।

सीआई जयदेव सिंह ने बताया- चारों मुरलीपुरा में ट्रकों में सामान लोडिंग और अनलोडिंग करते थे। सोमवार सुबह ही मुरलीपुरा आए थे। यहां शाम को कुछ ट्रक और आ गए। इस कारण से उनको समय लग गया। लालचंद, जगदीश और शंकर ने हादसे से पहले घरवालों को फोन कर कहा था घर आने में लेट हो जाएंगे। रात को 200 फीट बाइपास पर घर जाने के लिए खड़े थे। इस दौरान चौथा व्यक्ति भी साथ में खड़ा था। ट्रॉले ने चारों को कुचल दिया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के पास मिले मोबाइल और आधार कार्ड के आधार पर परिजनों को फोन पर घटना की जानकारी दी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का 9 साल बाद पाकिस्तान दौरा

पीएम शहबाज शरीफ से मिले जयशंकर प्रसाद नवाज बोले मोदी आते तो अच्छा होता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एससीओ संगठन की बैठक के लिए पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। पाकिस्तान के पीएम ने उन्हें एक अनौपचारिक डिनर के लिए न्योता दिया था। इससे पहले इस्लामाबाद पहुंचने पर छोटी बच्चियों ने फूल देकर उनका स्वागत किया। वे 9 साल में पाकिस्तान जाने वाले पहले भारतीय नेता हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक इंटरव्यू में कहा था- इस मीटिंग में शामिल होने अगर मोदी आते तो ज्यादा अच्छा होता, मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे जल्द मुलाकात करूंगा। दरअसल, पाकिस्तान ने अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी को स्ट्रह का न्योता भेजा था, लेकिन दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के चलते एस जयशंकर इस बैठक में शामिल हुए हैं।

तबादलों पर सरकार को कोर्ट स्टे का डर, कोर्ट में लगाई कैविएट

जयपुर। राजस्थान में सरकारी विभागों में किए तबादलों पर कोई कर्मचारी-अधिकारी कोर्ट से स्टे न ले, इसके लिए सरकार अब कैविएट दायर कर रही है। दो दिन पहले नगरीय निकायों (नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम) में किए अधिकारियों के तबादलों के मामले में ऐसा देखने को मिला है। सरकार ने जयपुर, जोधपुर हाईकोर्ट बैंच और राजस्थान सिविल सर्विसेज अपील ट्रिब्यूनल (रेट) की जयपुर-जोधपुर ब्रांच में कैविएट दायर करते हुए इन पर बहस के लिए अतिरिक्त अधिवक्ताओं और वकीलों को नियुक्त किया है।

मणिपुर हिंसा के बाद कुकी-मैतेई ने पहली बार बैठक की

नई दिल्ली। पिछले एक साल से मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच मंगलवार, 15 अक्टूबर को दिल्ली में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच पहली बार बातचीत हुई। गृह मंत्रालय की बैठक में दोनों समुदाय के नेता और विधायक शामिल हुए। ताकि शांति से हिंसा का समाधान निकाला जा सके। बैठक में मैतई समुदाय से राज्य विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रता सिंह, टोंगब्राम रोबिंद्रो, थ. बसंतकुमार सिंह शामिल हुए।

वहीं, कुकी समुदाय की तरफ से राज्य मंत्री विधायक लेतपाओ हाओकिप और नेमचा किपजेन थे। नागा समुदाय का प्रतिनिधित्व विधायक राम मुइवाह, आवांगबो न्यूमई और एल. डिखो ने किया। गृह मंत्रालय की तरफ से ए. के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे।

चार्टर्ड अकाउंटेंट की नेशनल कॉन्फ्रेंस

सांस्कृतिक विरासत को बताया जा रहा हमारी कमजोरी, इस पर प्रहार जरूरी : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी

जयपुर। राजधानी जयपुर में मंगलवार को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट की दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शुरू हुई। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट जयपुर ब्रांच की ओर से किया जा रहा है और कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पहुंचे और सीए प्रोफेशनल्स को संबोधित किया।

इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आपसे बात करने का अर्थ है कि प्रोफेशन ऑफ द नेशन से बात कर रहे हैं। सीए हमारे देश के अनसंग हीरो हैं। आप जैसा रोल कोई और नहीं कर सकता। आप देश के लिए सहयोग करते हैं और ग्लोबल नेशन में अकाउंटेबल बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पारदर्शिता आज हमारे वित्तीय सिस्टम की जरूरत है। आप इसके लिए योग्य हैं। विकसित भारत को लेकर भी धनखड़ ने कहा कि आज पूरे देश में हवन हो रहा है। विकसित भारत के लिए और इसमें पूर्ण आहुति की जरूरत है, जो आपकी फर्टिनिटी द्वारा संभव है।

हमारी संस्कृति को कमजोर बताया जा रहा

उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा कि भारत के सभ्यतागत लोकाचार को विभाजन के खतरों से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। एक स्थिर और संपन्न राष्ट्र सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक एकता को संरक्षित किया जाना चाहिए। हमारी सांस्कृतिक विरासत पर कुठाराघात हो रहा है। उसको हमारी कमजोरी बताने का प्रयास हो रहा है। उसके तहत देश को ध्वंस करने की योजना बनी हुई है। ऐसी ताकतों पर वैचारिक और मानसिक प्रतिघात होना चाहिए।

तकनीकी के साथ जुड़ना जरूरी

उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम के दौरान सीए समुदाय से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने और सस्टेनेबल इकोनॉमी को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि इथिक्स हमारे खून और डीएनए में होना चाहिए। आज पूरे विश्व में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग जैसी तकनीक का उपयोग धीरे-धीरे होने लगा है और तकनीकी के साथ जुड़ना भी काफी जरूरी है। ऐसे में हमें तकनीकी को अपने सिस्टम में भी लागू करना होगा। जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहे इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देश के साथ-साथ विदेश भर से आए सीए प्रोफेशनल्स हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ ही कार्यक्रम में सीए इंस्टीट्यूट के पदाधिकारी और विद्यार्थी मौजूद थे। यह कॉन्फ्रेंस सीआईआरसी, आईसीएआई की जयपुर ब्रांच की मेजबानी में आयोजित की गई थी।

रैकेट में फंस गई थी घर से भागी बहनें: शरीर के जल्दी विकास के लिए खतरनाक इंजेक्शन लगाए, कई बार रेप, पार्ट-2

द पुलिस पोस्ट

जयपुर/सीकर राजस्थान क्राइम फाइल्स के पहले पार्ट में आपने पढ़ा कि पढ़ाई न करने पर डांटा तो दो मौसेरी बहनें घर छोड़कर भाग गई। दोनों सीकर से जयपुर पहुंची। वहां से दिल्ली चली गईं। पुलिस 12 महीने तक तलाश करती रही। आखिरकार बड़ी बहन को दिल्ली के एक मकान से बरामद किया। वहीं छोटी बहन के बारे में पुलिस के पास अब भी कोई सुराग नहीं था। बड़ी बहन ने बताया कि वो दोनों जयपुर से ट्रेन से दिल्ली गइ थीं। वहां पहुंचने के कुछ देर बाद तक रेलवे स्टेशन के बाहर बैठी रहीं। वहां चाय पी। वहां ऑटो ड्राइवर सुरेश महतो से मुलाकात हुई। दोनों उसके ऑटो में बैठ गईं। सुरेश ने पूछा- कहां जाना है? दोनों बहनों के पास इस सवाल का जवाब नहीं था। उन्होंने सुरेश को बताया कि दोनों नौकरी की तलाश में हैं। सुरेश ने उन्हें पूछा- घर पर बताकर आई हो या नहीं? दोनों ने न में सिर हिलाया। ये सुनते ही सुरेश के मन में घिनौनी साजिश पनपने लगी। उसने दोनों को अपनी पत्नी ललिता उर्फ बबीता के बारे में बताया। कहा कि वह उनकी अच्छी नौकरी लगवा देगी। दोनों सुरेश के साथ उसकी पत्नी बबीता से मिलने के लिए जाने के लिए तैयार हो गई। सुरेश महतो दोनों बहनों को अपनी पत्नी बबीता के पास ले गया। दोनों बहनों ने बबीता को बताया कि वे जयपुर से आई हैं और नौकरी की तलाश में हैं। बबीता ने दोनों को कहा-अच्छा काम लगवा दूंगी। दोनों खूब पैसे कमाओगी। ये सुनकर दोनों खुश हो गई थीं। इसके बाद बबीता और सुरेश दोनों बहनों को लक्ष्मी देवी नाम की महिला के किराए के मकान में ले गए। उन्होंने 55 हजार रुपए में दोनों बहनों को लक्ष्मी देवी को बेच दिया गया। लक्ष्मी देवी ने दोनों से कहा- तुम दोनों को अलग-अलग काम करना होगा। ये सुनकर दोनों ने मना कर दिया। कहा कि हम एक साथ ही काम करेंगी। लक्ष्मी देवी ने बड़ी बहन को बबलू व उसकी पत्नी काजल को बेच डाला। दोनों बहनों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की। बबलू बड़ी बहन को मारपीट कर अपने साथ दिल्ली में एक मकान में ले गया। वहीं लक्ष्मी देवी ने छोटी बहन को मेरठ के दलाल दीपक को बेच दिया। इसके बाद से छोटी बहन का कुछ पता नहीं था। इधर, सीकर पुलिस ने दिल्ली में मकान में दबिश देकर अजय, बबलू और सोबरातू को गिरफ्तार कर लिया था। बड़ी बहन से पुलिस को पता लगा कि उसे कई दिनों तक भूखा रखा गया था। उसे दूध में मिलाकर कुछ दवाई देते थे। इससे उसे कुछ होश नहीं रहता था। उसे बबलू व अजय मकान में बंधक बना कर रखते थे। बेहोशी की हालत में ही उसके साथ कई बार रेप किया गया। घर का सारा काम कराया जाता था। अजय के मकान में उसके दोस्त आते थे। वे भी उसके साथ रेप करते थे। बड़ी बहन के मिलने के बाद पुलिस के सामने छोटी बहन को तलाशना बड़ी चुनौती था। मामले की जांच उद्योगनगर थानाधिकारी राममनोहर कर रहे थे। एएसआई संतोष कुमारी, हेड कॉन्स्टेबल सुरेश, कॉन्स्टेबल मामराज, रणवीर, दुगार्राम के साथ जयपुर से लेकर दिल्ली तक दबिश देने में लगे हुए थे। गैंगरेप का मामला सामने आने पर जांच सीओ सिटी सौरभ तिवाड़ी के पास पहुंच गई। उन्होंने जांच को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली में कई जगहों पर दबिश दी। उनके ट्रांसफर के बाद जांच गिरधारीलाल शर्मा के पास पहुंची। इधर हाईकोर्ट से भी लगातार गुमशुदा को तलाश करने का प्रेशर आ रहा था। परिवार को भी बड़ी बेटी के साथ अनहोनी घटना का पता लगा तो वे छोटी के बारे में सोचकर बेचैन होने लगे। पुलिस ने बबीता का रिकॉर्ड खंगाला तो पता लगा कि वह लड़कियों की खरीद-फरोख्त का रैकेट चलाती है। उसका पति सुरेश महतो भी उसके साथ मिला हुआ था। सुरेश और बबीता की मुलाकात ऐसे ही हुई थी। तब सुरेश जेल में बंद था। बाद में दोनों ने शादी कर ली। पुलिस एक साल से छोटी बहन को तलाश रही थी। सीकर पुलिस कई बार दिल्ली भी गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार बड़ी बहन के मिलने के करीब 9 महीने बाद पुलिस को एक सुराग मिला। पुलिस ने रेलवे स्टेशन से लेकर आगे आसपास की कॉलोनियों में पड़ताल की। वहां पता चला कि बबीता तो फरार है, लेकिन उसका पति सुरेश तिहाड़ जेल में है। पुलिस ने सुरेश से पूछताछ की। उससे पता लगा कि छोटी बहन मेरठ में हो सकती है। क्योंकि छोटी बहन को जिस लक्ष्मी देवी को बेचा था, उसका मेरठ में कई कोठों पर कनेक्शन था। लक्ष्मी देवी ने मेरठ के ही दीपक को छोटी बहन को बेचा था।

शान से निकला जुलूस ए गौस ए आजम, हजारों मोमिनों ने की जुलूस में शिरकत

द पुलिस पोस्ट

पाली - पीरान ए पीर शेख अब्दुल कादिर जिलानी गौस ए आजम की याद में प्रतिवर्ष निकलने वाला जुलूस ए गौस ए आजम मंगलवार को नाड़ी मोहल्ला से तकरीर प्रोग्राम के बाद सुबह 11 बजे शुरू हुआ जो केरिया दरवाजा, बादशाह का झंडा, जगीवाड़ा, पुराना बस स्टैंड, नवलखा रोड़, प्यारा चोक होते हुए कादरिया चोक में समाप्त हुआ, जहा जुलूस समाप्ति पर लंगर का आयोजन किया गया। जश्ने गोसूलवरा जुलूस इंतजामिया युवा कमेटी के सेकेट्री यूसुफ तिलजीवाला ने बताया कि जुलूस कमेटी के सदर हाजी अशफाक रिजवी मेवाफरोश, हाजी यासिन कादरी,अकरम शाह अशरफी,यूसुफ अशरफी, हाजी फरीद कंटालिया, फिरोज हबीबी, इंसाफ सोलंकी, मेहराज अली चूड़ीगर,आसिफ सिलावट, जावेद अली जिलानी, हाजी रिजवान अंसारी, हुसैन अजमेरी, फिरोज सामरिया, मोहम्मद फैजान आरटीआई, समीर शाह, प्रिंस गौरी आदि ने जुलूस व्यवस्था में सहयोग किया।

कंटेनर ने 3 को कुचला

100 मी. पर चौथे युवक को उड़ाया, 3 किमी दूर ट्रक से भिड़ा

चंदवाजी मुरलीपुरा

चंदवाजी मुरलीपुरा इलाके में सोमवार देर रात कंटेनर ने अजमेर हाई वे पर 4 लोगों को कुचल दिया। कंटेनर चालक ने पहले 3 लोगों को कुचला फिर वहां से 100 मीटर दूर एक अन्य युवक को उड़ा दिया। इसके बाद 3 किलोमीटर दूर एक ट्रक को टक्कर मार दी। चारों युवकों की घटनास्थल पर मौत हो गई। हादसे में मरने वालों की पहचान चंदवाजी स्थित देव का हरवाड़ा निवासी शंकर गुर्जर (51), जगदीश गुर्जर (41), चंदवाजी स्थित कुशलपुरा निवासी लालचंद बैरवा (49) के रूप में हुई है। एक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शंकर गुर्जर, जगदीश गुर्जर और लालचंद के शव परिजनों को सौंप दिए।

ऑल इंडिया हनुमान सिंह हैंडबॉल आज से जयपुर में

सवाई मान सिंह इनडोर स्टेडियम में होंगे मुकाबले देश की शीर्ष दस महिला टीमें लेगी भाग

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आरती को राजस्थान टीम की कमान

जयपुर, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ व हनुमान सिंह फाउंडेशन द्वारा 19वीं ऑल इंडिया स्व. श्री हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर के सवाई मान सिंह इनडोर स्टेडियम में 16 से 18 अक्टूबर, 2024 तक किया जायेगा। यह प्रतियोगिता वत्सल ग्रुप द्वारा प्रायोजित की जा रही है। राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव तथा प्रतियोगिता के आयोजन सचिव श्री यश प्रताप सिंह ने इस तीन दिवसीय टूनार्मेंट की जानकारी देते हुये बताया कि महिला वर्ग में खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता में मेजबान राजस्थान सहित देश की शीर्ष दस टीमें भाग लेगी। जिसमें भारतीय रेलवे, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान पुलिस, मोरसिंघी हैंडबॉल नर्सरी (हिमाचल प्रदेश) आदि प्रमुख टीमें हैं। श्री यश प्रताप सिंह ने बताया कि सभी टीमों को दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में भारतीय रेलवे, बिहार, राजस्थान पुलिस, हिमाचल प्रदेश व पंजाब है, जबकि पूल बी में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात व मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी है। प्रतियोगिता लीग कम नाकआउट आधार पर खेली जायेगी। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को श्री हनुमान सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जायेगा।

श्री यश प्रताप सिंह ने बताया कि इस चैंपियनशिप में 73 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग ले रही है, जिसमें भारतीय रेलवे में 12, हिमाचल प्रदेश में 12, मोरसिंघी हैंडबॉल नर्सरी (हिमाचल प्रदेश) में 12, गुजरात में 8, पंजाब में 7, राजस्थान पुलिस में 7, राजस्थान में 7, हरियाणा में 4, उत्तर प्रदेश में 3 एवं बिहार में एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं।

बुधवार को सुबह व शाम के सत्र में आठ मैच खेले जायेंगे।

सुबह के सत्र में होने वाले मैचः-
भारतीय रेलवे बनाम बिहार
मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी बनाम उत्तर प्रदेश
राजस्थान बनाम गुजरात
हिमाचल प्रदेश बनाम राजस्थान पुलिस
शाम के सत्र में होने वाले मैचः-
भारतीय रेलवे बनाम पंजाब
हरियाणा बनाम मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी
उत्तर प्रदेश बनाम राजस्थान
बिहार बनाम हिमाचल प्रदेश

यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों के रहने-खाने, परिवहन आदि की व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा की जा गई हैं। प्रतियोगिता से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राजस्थान टीमः आरती (कप्तान), पूजा गुर्जर ,टीना, मनीषा , मुस्कान, चेतना शर्मा, नोरती मेवारा, ममता, सीमा मीणा, रेखा, यशोदा धाकर, काजल गुर्जर ।कोच - मनीषा राठौड़ , मैनेजर-एरंता मीणा, फिजियो-सत्य प्रिया, एसएनसी-विवेक।

(यश प्रताप सिंह)
मानद सचिव

मुस्लिम युवा फाउंडेशन ने माला- साफा व शीरनी तकसीम कर किया जुलूस ए गौस ए आजम का इस्तकबाल।

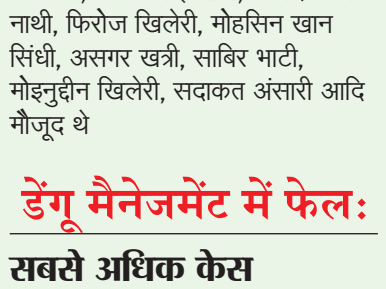

द पुलिस पोस्ट

पाली. मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली ने मंगलवार को बादशाह का झंडा पर संस्थापक परवेज अंसारी व संयोजक खालिद कादरी के नेतृत्व में जुलूस का इस्तकबाल किया। फाउंडेशन अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीगर ने बताया की जुलूस कमेटी के सदर अशफाक हुसैन मेवाफरोश, सेकेट्री यासीन कादरी, नायब सदर फिरोज हबीबी, यूसुफ अशरफी, युवा कमेटी के सदर अकरम शाह अशरफी, सेकेट्री यूसुफ तिलजीवाला आदि का साफा व माला पहना कर इस्तकबाल किया गया। फाउंडेशन के मोहम्मद फैजान आरटीआई ने बताया कि कार्यकताओं ने जुलूस में शिरनी तकसीम की। इस मौके पर फाउंडेशन के सरपरस्त मोहम्मद अय्यूब सुलेमानी, फकीर मोहम्मद चढ़वा, अंसार अली भाटी, कासम भाई, नादिर अंसारी, हुसैन अजमेरी, सत्तार भाई भाटी, जावेद भाटी नाथी, फिरोज खिलेरी, मोहसिन खान सिंधी, असगर खत्री, साबिर भाटी, मोइनुद्दीन खिलेरी, सदाकत अंसारी आदि मौजूद थे

बाबा शेवाराम साहब उदासीन का 108 वाँ प्राकट्य उत्सव 17 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को, होगें दो दिवसीय कार्यक्रम

द पुलिस पोस्ट

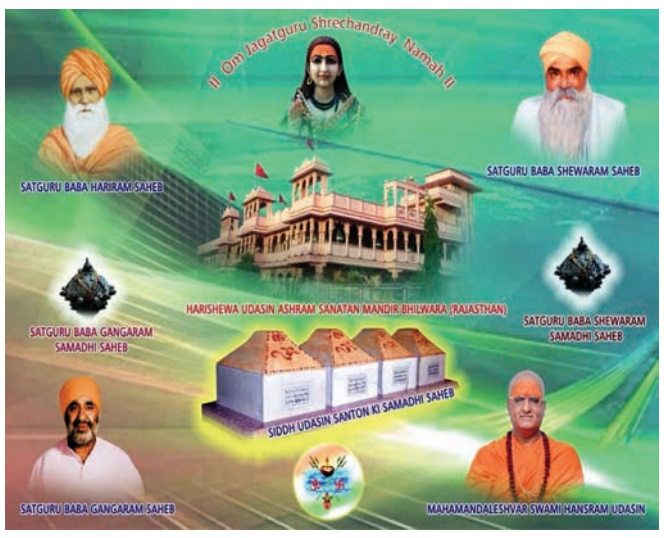

भीलवाड़ा। हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर भीलवाड़ा के संस्थापक एवं आराध्य सतगुरू बाबा शेवाराम साहब उदासीन का 108वां प्राकट्य उत्सव 17 अक्टूबर 2024 गुरूवार शरद पूर्णिमा को मनाया जायेगा। महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने बताया कि बाबा जी प्राकट्य उत्सव शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में दो दिवसीय कार्यक्रम 16 अक्टूबर बुधवार व 17 अक्टूबर 2024 गुरुवार को हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर भीलवाड़ा में उत्साह एवं श्रद्धा से मनाये जायेगें। इस अवसर पर अजमेर के महंत स्वरूपदास उदासीन, पुष्कर के महंत हनुमानराम उदासीन, भावनगर के दीपक नंदलाल फकीर, अजमेर के स्वामी ईश्वरदास, स्वामी अर्जुनदास, महाराष्ट्र कारन्जा के साई श्रवण, राजकोट के स्वामी अमरलाल, इन्दौर के महंत स्वामी मोहनदास संत संतदास, भीलवाड़ा के महंत गणेशदास सहित अनेक महापुरूषों तथा उदासीन निर्वाण मण्डल के संत महात्माओं का दर्शन व सत्संग प्रवचन का लाभ श्रद्धालुओ को प्राप्त होगा। 16 अक्टूबर 2024 बुधवार को सुबह 9:30 बजे श्री रामायण का अखंड पाठ आरम्भ होगा व संतो-महात्माओं के प्रवचन, सत्संग, आरती अरदास होकर संतो-महात्माओं का भण्डारा होगा। सांयकाल मे नितनेम सत्संग, आरती, अरदास होगी। 17 अक्टूबर 2024 गुरूवार शरद पूर्णिमा के दिन सुबह 5 से 6 बजे तक समाधि साहब पर नाम स्मरण मौन में होगा। सुबह 8 बजे झण्डा साहब चढेगा। तत्पश्चात हवन, पूजन वंदन होकर रामायण अखंड पाठ का भोग साहब पड़ेगा। संतो महात्माओं के सत्संग प्रवचन होकर जन्म उत्सव के उपलक्ष में लड्डू महाप्रसाद का भोग लगेगा व अरदास होगी। तत्पश्चात संतो-महात्माओं का भण्डारा व आम भण्डारा होगा। सांयकाल में नितनेत, सत्संग प्रवचन एवं अरदास-प्रार्थना होकर उत्सव विश्राम का पल्लव होगा। उन्होंने सभी भक्तो से सत्संग दर्शन प्रवचन का लाभ उठा सेवा-सुमिरन कर अपना जीवन को सफल बनाने को कहा।

राजस्थान राज्यपाल हरिभाऊ ने की श्री गौ सेवा मित्र मंडल के सामाजिक कार्यों की प्रसंशा

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। राजस्थान राज्यपाल हरिभाऊ बगाड़े ने श्री गौ सेवा मित्र मंडल एवं पर्यावरण संरक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों से राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात कर उनके द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करी एवं इसे एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए प्रेरणादायक बताया। संगठन के बिलेश्वर डाड ने बताया कि राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ ने संगठन के पदाधिकारियों से अपने राजभवन में मुलाकात कर संगठन के गौसेवा कार्यों की उन्मुक्त हृदय से तारीफ करते हुए युवाओं का हौसला बढ़ाया एवं कहा कि समाज के युवाओं का सेवा क्षेत्र में आगे आना अन्यों के लिए प्रेरणादायक है एवं समाज को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। संस्थान के मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने कहा कि इस अवसर पर संगठन द्वारा राज्यपाल को संगठन के कार्यों से अवगत करवाया गया, संगठन द्वारा राज्यपाल को गौमाता की तस्वीर भेंट करी गई एवं संगठन द्वारा बनाये जा रहे गौ उत्पादों से भी राज्यपाल को अवगत करवाया गया एवं उनको भेंट किए गए। इस अवसर पर अभिजीत सारडा, अमन शर्मा, सुनील शर्मा, संदीप संघवी आदि मौजूद थे।

राज्यपाल बगाड़े ने संगठन सदस्यों से राजभवन में मुलाकात कर करी उनकी हौसला अफजाई

डेंगू मैनेजमेंट में फेल:

सबसे अधिक केस राजस्थान में बढ़ रहे,डेंगू के किट देने में 9वें नंबर पर

जयपुर

जयपुर भाजपा हर जगह डबल इंजन की सरकार में कोई काम नहीं रुकने का हवाला देती है। लेकिन डेंगू मैनेजमेंट में डबल इंजन सफल नहीं हो रहा। राजस्थान में पिछले 1 माह में देश में सर्वाधिक डेंगू रोगी बढ़े। प्रदेश में अब तक डेंगू के 7623 पाजीटिव केस मिले। लगातार मौतें हो रही हैं। एक दिन पहले एक आईपीएस को डेंगू हो गया। डेंगू से 2 डाक्टर की मौत हो चुकी। लेकिन राजस्थान को केंद्र से डेंगू किट सिर्फ 3.3 प्रतिशत यानी 474 ही दिए गए। राजस्थान की तुलना में 8 राज्यों को डेंगू किट अधिक अलाट किए गए। जिन राज्यों में केस कम हैं, उनको भी राजस्थान से डेंगू किट अधिक दिए जा रहे हैं।

जीतो के वर्ष 2024-26 के अध्यक्ष मीठा लाल सिंघवी एवं मुख्य सचिव मनीष शाह नियुक्त हए

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा जीतो भीलवाड़ा चेप्टर के कार्यकाल 2024- 26 के लिए अध्यक्ष पद पर समाजसेवी मीठालाल सिंघवी एवं मुख्य सचिव पद पर युवा व्यवसायी मनीष शाह चुने गए ! सकल जैन समाज के सबसे सशक्त अंतरराष्ट्रीय संस्था जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑगेर्नाइजेशन जीतो के देश भर में 69 चैप्टर है,जो पूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया से सतत क्रियाशील है !भीलवाड़ा में जीतो का प्रारंभ वर्ष 2013 में हुआ ,वर्तमान सदस्य संख्या में 25 एफसीपी सी पी, 405 पैटर्न, 427 लेडिस तथा 568 यूथ सदस्य हैं !जीतो के प्रमुख प्रोजेक्ट में आर्थिक सक्षमीकरण में बिजनेस नेटवर्क ,इनक्यूबेशन, इनोवेशन, एंजल नेटवर्क, प्रोफेशनल फॉरम ,जॉब्स, एजुकेशन लोन आदि शामिल है! इसी प्रकार शिक्षा के लिए सिविल सर्विसेज ,ज्यूडिशरी, बैंक प्रोबेशनरीऑफिसर ,इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट ,सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आदि में प्रवेश -चयन हेतु मार्गदर्शन एवं हॉस्टल सुविधा प्रदान करता है !सेवा के क्षेत्र में साधु साध्वी भगवंतो की निशुल्क चिकित्सा , माइनॉरिटी,मेट्रीमोनी, जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण आदि शामिल है !मुख्य सचिव ने बताया कि शीघ्र ही यूथ विंग एवं लेडीज विंग की कार्यकारिणी एवं सभी प्रोजेक्ट्स पर कन्वीनर नियुक्त कर हर प्रोजेक्ट पर प्रभावी तरीके से पूरे 2 वर्ष तक निरंतर इवेंट्स सेमिनार्स वर्कशॉप्स आदि आयोजित करके समाज को लाभान्वित करने का पूरा प्रयास करेंगे !

700 शूटर

11 राज्यों में नेटवर्क पाकिस्तान में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का आतंक!

पाकिस्तान में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का आतंक! लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर पाकिस्तान में भी मौजूद! दाऊद इब्राहिम से भी आगे निकलने की तैयारी में लॉरेंस बिश्नोई! लॉरेंस बिश्नोई गैंग सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बरार चलाता है जो कि कनाडा पुलिस और इंडियन एजेंसियों की लिस्ट में वांटेड है। ये सारे खुलासे **NIA** ने अपनी चार्जशीट में किया है। ठक्ष ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 16 गैंगस्टर के खिलाफ वअढअ के तहत चार्जशीट फाइल की है।

अधिशाषी अधिकारी सु श्री कुमावत ने कार्यभार ग्रहण किया

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज आज चैयरमैन चैम्बर मै नगर पालिका मे नव पदस्थापित अधिशाषी अधिकारी विनिता कुमावत का पालिकाध्यक्ष वर्जीगराम घाची सहित सभी पार्षदो द्वारा स्वागत किया गया पहले डुडी जब से लगे विवादो मे रहे है उनका स्थानांतरण मेडता सिटी होने पर वह शिवगंज नगर पालिका मे सु श्री कुमावत ने कार्यभार ग्रहण करते ही पूर्व पार्षद जैसाराम माली ने बधाई दी वह आगे शिवगंज शहर का विकास करने की बात रखी इस पर ईओ कुमावत ने आश्वासन दिया की मे सही काम एक मिनट नही रोकुगी गलत कार्य नही होगा भष्ट्राचारीओ व दलालो को मे अपने केबिन रूम मे आने नही दुगी विकास नही रूकेगा भारत के प्रधानमंत्री व राजस्थान सरकार की योजनाओ को हर घर तक पहुंचाने का काम करूगी वह पालिका स्टाफ के साथ खडी रहुगी हर सही काम के लिए शिवगंज शहर की जनता के लिए हर वक्त खडी रहुगी

पालिका अध्यक्ष के वार्ड मे अवैध चार मंजिला बिल्डिंग बन रही है

पालिका प्रशासन ने उपरी मंजिल कार्य रूकवाया था पर कुछ ले देकर चालु कर दिया गया अवैध कार्य

पार्किंग व्यवस्था व उपरी हिस्से को तौडा जाएंगा या ऐसे ही होता रहेगा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज साठीया वास व आखरिया भट्टे के पास एक चार मंजिला वाणिज्य बिल्डिंग खुले आम बन रही है वार्ड नंबर 24 पालिका अध्यक्ष का वार्ड है उसके बाद भी अवैध कामों की होड लगी हुई है क्योंकि उनको पता है की पालिका अध्यक्ष महोदय से बात करके कुछ भी उल्टा सीधा काम कर दोगे तो पालिका अध्यक्ष काम नहीं रुकवा पाएंगे इस प्रार्थी ने आवासीय स्वीकृति लेकर वाणिज्य बिल्डिंग बनाई जा रही है क्योंकि इतनी बड़ी बिल्डिंग स्थानीय क्षेत्र में वह आसपास में जैन बस्ती होने के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि जहां वाणिज्य उपयोग होगा वहां पर भीड़ लगी रहेगी और मोटरसाइकिल गाड़ियां

सड़कों पर पड़ी रहेगी क्योंकि पालिका प्रशासन पार्किंग के नाम के तो लाखों रुपए पहले से हड़प लेती है तो पार्किंग की व्यवस्था क्यों करवाएंगे इसलिए ईच बिल्डिंग का निर्माण नियमो के विपरीत निर्माण हुआ उसे तोड़ा जाए वह पालिका प्रशासन के भ्रष्टाचारी अधिकारी द्वारा बड़ी रकम लेकर उसको कार्य रात दिन चालू है क्योंकि रुकवाने वाला कोई नहीं होगा तो अवैध काम तो होंगे ही ऐसा उन्होंने नाटक करने के लिए कुछ दिन पहले ऊपरी मंजिल की छत भरी जा रही थी तब जाकर पालिका प्रशासन ने कार्य रुकवाया था कुछ घंटे के लिए पर पालिका अध्यक्ष की मेहरबानी से वापस काम चालू हो गया ऐसे तो शिवगंज का सोजन्यकरण खराब हो चुका है अब और करना बाकी रह गया था वह भी पालिका अध्यक्ष कर रहे है शिवगंज का सत्यानाश हो गया आखरीया का भट्टे पर एक 7000 वर्ग फिट जमीन वह 12000 वर्ग फीट जमीन का जो पालिका प्रशासन सरकारी जमीन है उस पर भूमाफियाओ ने कब्जा करना चालू कर दिया पर पालिका प्रशासन तो अंधा बनकर बैठा है प्रशासन अतिक्रमण को रुकवा नहीं रहा है ऐसे अधिकारियों नेताओं को तो सिर्फ पैसा चाहिए आप कुछ भी कर लो क्योंकि पालिका में अधिशाषी अधिकारी अंदर ऑफिस में बैठ जाते हैं बहार क्या हो रहा है उनका क्या पता है अंदर बैठकर राजनीतिक की बातें करेंगे वह शिवगंज के कुछ नेता जो भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी बनकर बैठे हुए हैं वह कुछ कांग्रेसी जो उल्टे सीधे काम करते हैं उनको अपनी केबिन में बैठा कर उल्टे काम करने के ठेके ले रहे है पर इनको पता यही है की जेल तो हम जाएंगे ही क्योंकि काम ऐसे किया इसलिए उनको कोई रोक नहीं सकता जेल जाने से क्योंकि उन्होंने खार्चा भूमि स्टेट ग्राउंड पट्टे कच्ची बस्ती के पट्टे बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों की निर्माण स्वीकृति वह कॉलोनी के पट्टे देने में बड़ी रकम बैठै है जो लास्ट में अपने को तकलीफ दी जाती है जैसे देवस्थान का ?1 घर में आता है वह घर बर्बाद हो जाता है और यहां पर गरीब जनता का पैसा अगर जेब में आएगा तो कितनी परेशानी होगी आप जानते हो देखते हैं अब कार्रवाई कौन करता है क्योंकि यही बिल्डिंग का निर्माण कुछ दिन पहले रुकवाना पार्किंग व्यवस्था नहीं छुड़वाना निर्माण स्वीकृति से ज्यादा नियमों के विपरीत बिल्डिंग बनाना इसका जिम्मेदार कौन है पालिका में तो भ्रष्टाचारियों बेठे है और अवैध निर्माण की कार्रवाई कौन करेंगे या शिवगंज का सत्यानाश होता रहेगा देखते हैं यह भ्रष्टाचारियों कब जेल जाएंगे

स्पा सेंटर और मसाज की आड़ में चलने वाले देह व्यापार पर कब लगाएंगी शिवगंज पुलिस रोक

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज पुलिस आखिरकार स्पा सेंटर और मसाज की आड़ में चलने वाले देह व्यापार पर कब लगाएंगी रोक, सूत्र से मिली जानकारी अनुसार शिवगंज सुमेरपुर उपखंड मुख्यालय पर स्पा की आड़ में देह व्यापार का अवैध धंधा लंबे समय से चल रहा है। हैरत कि बात यह है कि स्पा के संचालन के लिए कई सख्त नियम कायदे सरकार ने बना रखें हैं, लेकिन शिवगंज शहर में संचालित स्पा संचालकों ने इसको देह व्यापार का धंधा बना दिया है। यह सब जिम्मेदारों के नाक के नीचे चल रहा है।पुलिस थाने से कुछ ही दूरी पर पुराना राजमार्ग के आमने-सामने आवासीय कॉलोनी के मुख्य प्रवेश द्वार पर कमरे में सजा हुआ बिस्तर। सिंगल और डबल बेड की व्यवस्था। फुल बॉडी मसाज के नाम पर देह व्यापार का गंदा खेल। जी हां, शिवगंज का दों स्पा सेंटर कई दिनों से चर्चा का विषय बना हुआ है।आखिर सिरोही पुलिस कप्तान शिवगंज में चल रहे इस अवैध अनैतिक गतिविधि और देह व्यापार की रोकथाम के लिए शिवगंज पुलिस को कब देंगे निर्देश? स्पा और मसाज सेंटर की आड़ में कथित तौर पर पवित्र शहर में देह व्यापार का धंधा फल-फूल रहा है। हालांकि, संबंधित अधिकारियों द्वारा किसी भी तरह की जांच के अभाव में ये सेंटर कथित तौर पर वेश्यावृत्ति के अड्डे बन गए हैं।

शहर मे व नेशनल हाइवे पर खुल्ले आम चल रहा है

शिवगंज शहर वह पुराना नेशनल हाईवे पर कुछ होटल में घरों में खुलेआम वेश्यावृत्ति चल रही है प्रशासन रुकवाने में असमर्थ है वह युवा को खुलेआम वेश्यावृत्ति में धकेला जा रहा है नशे की आड़ में वेश्यावृत्ति हो रही है वह स्पा के आड में मालिश खाली नाम की होती है वेश्यावृत्ति होती है क्या प्रशासन कार्रवाई करेगी अब वमार्जी से उम्मीद है नही चलेगे अवैध अनैतिक कार्य व बजरी खनन बंद होगा ।

टोंक में लेपर्ड ने 6 लोगों पर किया हमला:

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती; वन विभाग ने पिंजरा और जाल लगाया

द पुलिस पोस्ट

देवली (टोंक) टोंक जिले में मंगलवार को लेपर्ड के हमले में 6 लोग घायल हो गए। लेपर्ड ने शाम करीब 4 बजे खेत में भैंस चरा रही युवती पर हमला किया। आसपास काम कर रहे लोग उसे बचाने दौड़े तो लेपर्ड ने उन पर भी हमला कर दिया। सभी घायलों को टोंक जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मामला जिले के देवली उपखंड के चांदसिंहपुरा पंचायत के ठिकरिया कला गांव का है। उप अधीक्षक रामसिंह जाट ने बताया- शाम करीब 4:30 बजे सूचना मिली थी कि ठिकरिया कला गांव के 6 लोगों पर जंगली जानवर ने हमला किया है। ग्रामीणों ने बताया था कि वो लेपर्ड हो सकता है। हम गांव में पहुंचे तो लेपर्ड के पगमार्क मिले। पुलिस वन विभाग की टीम समेत आसपास के क्षेत्रों में मौजूद है। लेपर्ड को पकड़ने के लिए जाल और पिंजरा लगाया गया है।

सबसे पहले युवती पर किया हमला

ठिकरिया कला गांव के रंगलाल ने बताया- मेरी बेटी शाम करीब 4 बजे घर के पास अपने खेत में भैंस चरा रही थी। तभी लेपर्ड वहां आ गया और बेटी पर हमला कर दिया।

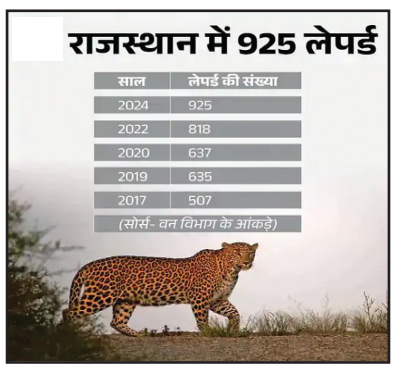

बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनकर जब ग्रामीण मदद के लिए आए तो लेपर्ड ने उन पर भी हमला कर दिया। लेपर्ड ने सबसे पहले जमना पत्नी महावीर बैरवा को जख्मी किया। इसके बाद मुकेश गोस्वामी पुत्र भंवर पुरी, मैना पत्नी मुकेश गोस्वामी, प्रियंका पुत्री रंगलाल और हेमराज नागर पुत्र बजरंग लाल को जख्मी कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर टोंक जिले के वनकर्मी भी गांव पहुंचे।

अरांई मात्र नाम का उपखण्ड, सुविधाओं के नाम पर जीरो

जनप्रतिनिधियों ने मूंदी आंखें तो अधिकारी भी नहीं सुनते समस्याएं

द पुलिस पोस्ट

प्रकाश भागनानी अरांई अरांई कस्बे को उपखंड का दर्जा प्राप्त हुए काफी साल बीत गए परंतु केवल दर्जा मिला है सुविधाओं में किसी प्रकार की बढ़ोतरी नहीं हुई है जिससे आमजन की समस्याओं में कमी नजर नहीं आ रही है। अरांई कस्बा उपखंड होने के बावजूद यहां के सरकारी दफ्तरों के हाल इतने खराब है कि अस्पताल को भी डॉक्टर के क्वार्टर में संचालित करना पड़ रहा है यही नहीं पुलिस थाना पंचायत समिति अस्पताल स्कूल सभी के हालात बहुत अधिक खराब है जहां लोगों को सुविधा मिलना तो दूर कर्मचारियों की परेशानी ही दूर नहीं हो रही है। कस्बे के उपखंड स्तरीय राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हालात इतने खराब है कि अस्पताल का भवन जर्जर हालत में होने के कारण अस्पताल को डॉक्टर क्वाटर में संचालित किया जा रहा है अस्पताल में लंबे समय से सोनोग्राफी मशीन धूल फांक रही है यहां तक की कुछ दिनों से तो सीबीसी नाम की एक छोटी सी खून जांच रिपोर्ट भी अस्पताल में उपलब्ध नहीं होती है इसलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफरल अस्पताल बनता नजर आ रहा है। यदि बात की जाए पुलिस थाना की तो पुलिस थाने का भवन भी पूरी तरह से जर्जर हालत में है। बरसात के दिनों में पुलिस थाने में 1 से 2 फीट पानी भरा रहता है पुलिस थाने के भवन की पूरी बिल्डिंग की छत से पानी टपक रहा है तो पुलिस कर्मियों के क्वार्टर भी जर्जर हालत में है वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की स्थिति सबसे ज्यादा बदत नजर आ रही है जहां आज भी 1 से 2 फीट पानी भरा हुआ है स्कूल के खेल मैदान में भर पानी में सांप तथा अन्य कीड़े उत्पन्न होने लगे हैं पानी की निकासी नहीं होने से जल भराव स्कूल में एक सबसे बड़ी समस्या नजर आ रही है परंतु इस और आज तक किसी अधिकारी में ध्यान नहीं दिया। उपखण्ड स्तर पर आधार कार्ड तक नहीं बन रहे - अरांई उपखंड होने के बावजूद यहां आधार कार्ड तक नहीं बन पा रहे हैं। यहां पोस्ट ऑफिस में एकमात्र आधार कार्ड की मशीन है जो पिछले तीन महीनो से बंद पड़ी है जिससे लोगों को आधार कार्ड बनवाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा बीडीओ क्वार्टर में भरा रहता है पानी- आमजन को राहत पहुंचाने वाला पंचायत राज विभाग का अधिकारी का निवास स्थान भी जर्जर हालत में है यहां बरसात के दिनों में जल भराव रहने से खुद विकास अधिकारी क्वार्टर मे नहीं रह सकते हैं ऐसे में आम जन को किस प्रकार से अधिकारी राहत पहुंचा पाएंगे ।

ग्राम पंचायत के पास नहीं स्थाई ग्राम विकास अधिकारी

अरांई ग्राम पंचायत को पिछले 8 महीने से स्थाई ग्राम विकास अधिकारी नहीं मिलने से विकास कार्य बाधित हो रहे हैं । ग्रामीणों ने बताया कि विधायक तथा सांसद सहित सभी अधिकारियों को बार-बार पत्र लिखकर ग्राम पंचायत के लिए स्थाई ग्राम सेवक लगाने की मांग की जा चुकी है परंतु आज तक ग्राम सेवक नहीं लगाया गया जिससे विकास कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। ग्रामीण में इन सभी समस्याओं को लेकर केंद्रीय मंत्री व सांसद भागीरथ चौधरी विधायक विकास चौधरी सहित जिला कलेक्टर जिला प्रमुख सहित सभी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को समस्याओं से अवगत करा दिया परंतु आज तक ना तो जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं की ओर ध्यान दिया और ना ही अधिकारियों ने इन समस्याओं की कोई सुध ली

चिंतन

भारत से संबंध बिगाड़ना कनाडा को ही पड़ेगा भारी

पहले से ही खराब चल रहे भारत और कनाडा के संबंध और तल्ख हो गए हैं, जब कनाडा की ओर से अनर्गल बयानबाजी शुरू हुई, जिसमें भारत पर कई नए आरोप मढ़े गए। बात इतनी बढ़ी कि दोनों देशों ने छह-छह राजनयिक एक-दूसरे के निकाल दिए। कनिष्क विमान अपहरण की घटना के बाद से कनाडा व भारत के रिश्ते अभी सबसे बुरे दौर में हैं। अतीत में दोनों मुल्कों के मधुर संबंध रहे हैं, लेकिन कनाडा की राजनीति में भारतीयों के प्रबल होते जाने के साथ ही दोनों देशों के संबंध में खटास बढ़ने लगी है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने अपने भारतीय मतदाताओं को खुश रखने के लिए निज्जर मामले में भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए, जिससे दोनों मुल्क के मधुर संबंध बिगड़े। सोमवार को राजनयिक निकाले जाने की घटना के अगले दिन मंगलवार को भारत ने कनाडा द्वारा अपने देश में आपराधिक गिरोहों से भारतीय एजेंटों को जोड़ने के आरोपों को खारिज कर दिया। कनाडा ने दावा किया कि उसने भारत से निज्जर हत्याकांड मामले के सबूत साझा किए, भारत ने कहा कि सबूत नहीं दिए। जस्टिन ट्रूडो ने ताजा आरोप लगाया है कि भारत उनके देश में कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाकर गुप्त अभियान चलाने सहित विभिन्न गतिविधियों में शामिल है, भारत सरकार ने इसे भी खारिज कर दिया है। दरअसल, भारत और कनाडा के संबंध उस समय और खराब हो गए जब भारत ने सिख चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से राजदूत को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज करने के बाद वहां से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने की घोषणा की। सही मायने में बिगड़ते संबंध का कनाडा पर अधिक असर पड़ेगा। मुख्य रूप से छात्रों के आव्रजन, आपसी व्यापार संबंधों और कनाडा की इंडो-पैसिफिक रणनीति पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। अभी दो दिन पहले खबर आई कि कनाडाई पीएम को अपने ही सांसदों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उनकी कुर्सी खतरे में पड़ सकती है। उसके बाद से ट्रूडो भारत पर आरोपों की झड़ी लेकर सामने आए हैं। उनके तमाम पैतरे बेकार साबित हो रहे हैं, उल्टे वे कनाडा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। संबंध खराब होने से भारतीय छात्रों की संख्या कनाडा में कम होगी, तो इससे राजस्व में कमी आएगी। स्किल जॉब सेक्टर में भी भारतीय छात्रों की कमी का बुरा असर पड़ेगा। सांस्कृतिक आदान प्रदान, जनसांख्यिकीय चुनौतियों का समाधान व अनुसंधान सहयोग में भी कमी आएगी। प्रस्तावित कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर भी असर पड़ सकता है। तनाव के चलते अभी वार्ता रोक दी गई हैं। भारत ने कनाडा से दालों का आयात कम कर दिया है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार, भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था कनाडा को बेहतर व्यापार अवसर देता है, पर अब कनाडा वंचित होगा। अमेरिका ने भारत को इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) में इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ गठित आई2यू2 ब्लॉक के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल किया। कनाडा को क्वाड, इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) और आई2यू2 ब्लॉक में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। भारत के साथ कनाडा के तनावपूर्ण संबंध प्रमुख इंडो-पैसिफिक संस्थानों में शामिल होने की उसकी क्षमता को बाधित कर रहे हैं। कनाडा भारत में वांछित आतंकियों को पनाह देकर अपना सहित विश्व का नुकसान ही करेगा। दोनों देशों को संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

मुद्दा

डॉ. अशोक कुमार वर्मा

युवा पीढ़ी में बढ़ती जा रही धूम्रपान की प्रवृत्ति

आधुनिकता के युग में मनुष्य भौतिकतावाद में उलझकर रह गया है। दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जिनके पास करने को कोई काम नहीं है अथवा यह कह लें कि वे कुछ करना ही नहीं चाहते। कुछ लोग तनाव दूर करने के लिए, कुछ आनंद के लिए और कुछ मौज-मस्ती के लिए नशे का सेवन करते हैं। यहां पर यह चर्चा करना आवश्यक है कि धूम्रपान की प्रवृत्ति आज युवाओं में बढ़ती जा रही है। यहां तक कि महिलाओं द्वारा भी धूम्रपान करना सामान्य बात हो गई है। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने पर प्रतिबंध होने के बाद भी लोग इस नियम की अवहेलना कर रहे हैं। भारत में गणतंत्र के 54वें वर्ष में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 सम्पूर्ण भारत पर लागू किया गया। इस अधिनियम के अनुसार धारा 4 के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान नहीं करेगा परन्तु किसी ऐसे होटल में जिसमें 30 कमरे हों अथवा जहां 30 से अधिक व्यक्तियों के बैठने की क्षमता हो तो वहां धूम्रपान की अलग से व्यवस्था की जाएगी।

इसी कड़ी में धारा 5 के अंतर्गत सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। धारा 6 के अनुसार किसी भी 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को सिगरेट और तम्बाकू आदि नहीं दिया जाएगा और न ही किसी शिक्षण संस्थान की 100 मीटर की परिधि में इन उत्पादों का विक्रय होगा। धारा 7 के अनुसार सिगरेट और तंबाकू पर चेतावनी का लेबल आवश्यक है और यह भी सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में होना चाहिए। इस अधिनियम के अंतर्गत पुलिस उप निरीक्षक या उससे ऊपर का अधिकारी ऐसे स्थान में प्रवेश कर सकता है और तलाशी ले सकता है जहां यह विक्रय करना प्रतिबंधित है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध नियमावली, 2008 लागू की गई है जो 2 अक्टूबर 2008 से सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने से रोकती है। यह नियमावली स्पष्ट रूप से धारा 3 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थान के मालिक, प्रबंधक को बाध्य करती है कि कोई भी व्यक्ति उसके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान न करे। सार्वजनिक स्थान के प्रवेश द्वार पर यदि एक से ज्यादा प्रवेश द्वारा हैं तो प्रत्येक प्रवेश द्वार और उनके अंदर न्यूनतम 60 सेंटीमीटर x 30 सेंटीमीटर आकार का सफ़ेद पृष्टभूमि का बोर्ड लगाएगा जिस पर 'गैर-धूम्रपान क्षेत्र' व 'धूम्रपान अपराध है' लिखा होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष तंबाकू के कारण 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इतना ही नहीं, 13 लाख ऐसे लोग हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते लेकिन उनके पास रहते हैं जो सेवन कर रहे होते हैं। यदि हम भारत की बात करते हैं तो देश में प्रतिवर्ष लगभग 17 लाख लोग तंबाकू के कारण अपने प्राण गंवाते हैं। एक लेख के अनुसार प्रतिदिन तम्बाकू के कारण भारत में 3699 मृत्यु हो रही हैं तो दूसरी और प्रत्येक 4 सेकंड में एक बालक की मृत्यु केवल ऐसे लोगों के संपर्क में होने के कारण होती है जो उनके पास रहकर धूम्रपान करते हैं। अब प्रश्न उठता है कि भारत में एक ओर तम्बाकू रोजगार प्रदान करता है तो दूसरी ओर मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए क्षतिकारक है। तम्बाकू के सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, लकवा, श्वास रोग, दमा, कैंसर जैसी भयानक व्याधियां हो रही हैं। लोगों ने इसे आजीविका का साधन बना लिया है। चिंता का विषय यह है कि आज 100/200 मीटर पर कोई खाद्य सामग्री मिले या न मिले तम्बाकू उत्पाद अवश्य दिखाई दे जाते हैं। रंग-बिरंगे पाउच में विभिन्न प्रकार के पान मसाले और तम्बाकू लटके मिलते हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली संतान नशों से दूर रहे तो तम्बाकू उत्पाद पर भी पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाना होगा। जो लोग इसके आदि हो चुके हैं उन लोगों को इसे छोड़ने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। यदि नशा कोई भी अच्छा होता तो सबसे पहले हमारे माता-पिता हमें सेवन के लिए दे देते। आज सिगरेट और हुक्का परिवर्तित रूप में हमारे सामने आ चुका है और वो है ई-सिगरेट और ई-हुक्का जो प्रतिबंधित है। आज भी लोगों की धारणा है कि हुक्का भाईचारे का प्रतीक है जबकि यह मिथ्या है। यदि हुक्का हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग होता तो इसका वर्णन वेद ग्रन्थ और शास्त्रों में अवश्य होता। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान निषेध करने के लिए कानून तो है लेकिन पालना अभी भी नहीं हो रही है।

(लेखक हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो में जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास के प्रभारी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्व खाद्य दिवस

रविशंकर

भूख और कुपोषण से जूझती दुनिया

सवाल ये है कि आजादी के 78 वर्षों के बाद भी देश को भूख और कुपोषण जैसी समस्या से मुक्ति क्यों नहीं मिल पाई है? जबकि आजादी के बाद से भारत में खाद्यान्न के उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गई है। परंतु कुपोषण व भुखमरी का मसला अभी भी चुनौती बना हुआ है। बिहार और उत्तर प्रदेश इनमें सबसे आगे हैं। कुपोषण आज देश के लिए राष्ट्रीय शर्म है। भारत में कुपोषण की समस्या कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा है। वास्तव में कुपोषण बहुत सारे सामाजिक-राजनीतिक कारणों का परिणाम है। जब भूख और गरीबी राजनीतिक एजेंडा की प्राथमिकता में नहीं होती तो बड़ी तादाद में कुपोषण सतह पर उभरता है। समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है।

विज्ञान और तकनीक एक तरफ देश में क्रांति ला रही है तो दूसरी तरफ हम मानव के जीवन की प्राथमिक जरूरत, भूख को पूरा नहीं कर पाए हैं। ये अपार प्रगति सबके लिए भोजन का प्रबन्ध नहीं कर पाई है। वहीं सामाजिक और आर्थिक विकास के पैमाने पर देखें तो भारत की एक विरोधाभासी तस्वीर उभरती है। एक तरफ तो हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े खाद्यान्न उत्पादक देश हैं तो दूसरी तरफ भूख और कुपोषण के तमाम आंकड़े सोचने के लिए मजबूर करते हैं। विकास के तमाम दावों के बावजूद भारत अभी भी गरीबी और भुखमरी जैसी बुनियादी समस्याओं की चपेट से पूरी तरह बाहर नहीं निकल सका है। सवाल ये है कि आजादी के 78 वर्षों के बाद भी देश को भूख और कुपोषण जैसी समस्या से मुक्ति क्यों नहीं मिल पाई है? जबकि आजादी के बाद से भारत में खाद्यान्न के उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गई है। परंतु कुपोषण व भुखमरी का मसला अभी भी चुनौती बना हुआ है। बिहार और उत्तर प्रदेश इनमें सबसे आगे हैं। कुपोषण आज देश के लिए राष्ट्रीय शर्म है। भारत में कुपोषण की समस्या कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा है। वास्तव में कुपोषण बहुत सारे सामाजिक-राजनीतिक कारणों का परिणाम है।

जब भूख और गरीबी राजनीतिक एजेंडा की प्राथमिकता में नहीं होती तो बड़ी तादाद में कुपोषण सतह पर उभरता है। समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। अपितु विश्व के कई देशों में खाने की भारी किल्लत है। खाद्यान्नों की कमी और बढ़ती जनसंख्या ने विश्व में ऐसी विकट स्थितिपैदा की है जहां करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए अपना खून-पसीना एक करने को बेबस हैं। यही वजह है कि दुनियाभर में भोजन की कमी और भूख से हर साल करोड़ों जानें काल के गाल में समा जाती हैं। अहम सवाल है ये है कि क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ाकर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हां हो, पर भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूं तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है। लेकिन ये भी सच है कि यहां प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद भी होता है। एक अनुमान के मुताबिक हर साल लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। भूखी जनसंख्या इन खाद्यान्नों पर ताक लगाए बैठी रह जाती है। इतना ही नहीं, भारत में लाखों टन अनाज हर साल खुले में सड़ जाते हैं। यह सब ऐसे समय हो रहा है जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और पांच साल से छोटे बच्चों की एक बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार है। ऐसा नहीं है कि भारत में खाद्य भंडारण के लिए कोई कानून नहीं है। लेकिन इसके बावजूद आज भी लाखों टन अनाज बर्बाद होता है। तमाम लोग दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

इसी जद्दोजहद में गरीब दम तक तोड़ देते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सरकार ने भूख से लड़ने के लिए कारगर उपाय नहीं किए हैं। सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी

मिशन, नरेगा, मिड डे भोजन, काम के बदले अनाज, सार्वजानिक वितरण प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा नेट, अंत्योदय अन्न योजना आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि सभी देशवासियों की भूख मिटाने के लिए ही नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से जीवनयापन के लिए रोजगार परक आय व पोषणयुक्त भोजन मिल सके। लेकिन कागजों पर बनने वाली ये योजनाएं जमीन पर कितनी अमल की जाती हैं इसका अंदाजा आप भारत में भूख से मरने वाले लोगों की संख्या से लगा सकते हैं। सम्पूर्ण विश्व में बेहद तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद भी आज भी भारत में गरीबी और कुपोषण एक समस्या बनी हुई है। हमारा सिस्टम अभी तक इस गंभीर समस्या का समाधान करने में नाकाम रहा है। यही वजह है कि देश की एक तिहाई से ज्यादा बच्चे अभी भी कुपोषण का शिकार हैं। देश में कुपोषण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। महिलाओं में एनीमिया की शिकायत आम है और बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं। इस कारण पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की लंबाई सामान्य से कम और वजन लंबाई के मुताबिक नहीं है। उम्र की तुलना में कम लंबाई वाले बच्चों की संख्या के मामले में बिहार 43 फीसदी हिस्सेदारी के साथ मेघालय के बाद देश में दूसरे नंबर पर है। हालांकि, शिशु मृत्यु दर के मामले देश के अधिकतर राज्यों में कम हुए हैं। इसकी वजह टीकाकरण बताई गई है, लेकिन भूख और कुपोषण की स्थिति अभी चिंतनीय स्तर पर है। इसका साफ मतलब यह है कि तमाम योजनाओं के ऐलान और बहुत सारे वादों के बावजूद अगर देश में भूख व कुपोषण के शिकार लोगों की संख्या कम नहीं कर पाए हैं। योजनाओं को लागू करने में कहीं न कहीं भारी गड़बड़ियां और अनियमितताएं हैं। सवाल है, भारत में इस भुखमरी का कारण क्या है, क्या संसाधनों की कमी है? नहीं ऐसी स्थिति कम से कम भारत में नहीं है। भारत में न तो प्राकृतिक संसाधनों की कमी है और न ही वित्तीय संसाधनों की। कमी है तो केवल प्राथमिकता की।

खैर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार कुपोषण, अल्पपोषण, कम वजन जन्म और रक्ताल्पता से मुद्दे पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। सरकार ने राष्ट्रीय पोषण मिशन का नाम बदलकर 'पोषण अभियान' कर दिया है। लेकिन भारत में कुपोषण की इतनी बड़ी समस्या है कि इससे निपटना आसान नहीं है। साफ है, अपेक्षाकृत तेजी से आर्थिक विकास के बावजूद भारत कुपोषण की समस्या को दूर करने में कामयाब नहीं हो पा रहा है। इससे स्पष्ट है कि पोषण की स्थिति में सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में संरचनात्मक बदलाव किए जाने की आवश्यकता है। ऐसा करके ही कुपोषण मुक्त भारत एवं 2030 तक गरीबी को समाप्त करने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। इसके लिए कुपोषित परिवारों की पहचान कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। इसके लिए भारत में पोषण के कार्यक्रमों को एक जन आंदोलन में बदलना होगा, जिसमें सबकी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए स्थानीय निकायों, सामाजिक संगठनों, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों की व्यापक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। केंद्र एवं राज्यों के महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, शिक्षा, खाद्य एवं अन्य विभागों के बीच आपसी समन्वय के साथ कुपोषण संबंधी कार्यक्रमों को एक साथ सामूहिक रूप से लागू करने पर ही कुपोषण रूपी दुश्मन को जड़ से मिटाया जा सकता है। समय-समय पर कुपोषण संबंधी डाटा का मूल्यांकन, उसे कम करने के प्रयासों की समीक्षा के साथ ही जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी की बुद्धि।

कर्ण की युद्ध में धर्म-नीति निष्ठा

संकलित

प्रेरणा

कर्ण कौरवों की सेना में होते हुए भी महान धर्मनिष्ठ योद्धा थे। भगवान श्रीकृष्ण तक उनकी प्रशंसा करते थे। महाभारत युद्ध में कर्ण ने अर्जुन को मार गिराने की प्रतिज्ञा की थी। उसे सफल बनाने के लिए खंडव वन के महासर्प अश्वसेन ने इसे उपयुक्त अवसर समझा। अर्जुन से वह शत्रुता तो रखता था, पर काटने का अवसर नहीं मिलता था। वह बाण बनकर कर्ण के तरकस में जा घुसा। अश्वसेन वाला बाण भी चला, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने वस्तुस्थिति को समझा और रथ-घोड़े जमीन पर बिठा दिए। बाण मुकुट काटता हुआ ऊपर से निकल गया। असफलता पर अश्वसेन प्रकट हुआ और कर्ण से बोलाः अबकी बार अधिक सावधानी से बाण चलाना। इस पर कर्ण को भारी आश्चर्य हुआ। उसने उस कालसर्प से पूछाः आप कौन हैं? सर्प ने कहाः अर्जुन ने एक बार खण्डव वन में आग लगाकर मेरे परिवार को मार दिया था। इसलिए उसीका प्रतिशोध लेने के लिए मैं व्याकुल रहता हूँ। उस तक पहुँचने का अवसर न मिलने पर आपके तरकस में बाण के रूप में आया हूँ। कर्ण ने उसकी सहायता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए वापस लौट जाने के लिए कहाः भद्र, मुझे अपने ही पुरुषार्थ से नीति युद्ध लड़ने दीजिए। आपकी अनीतियुक्त सहायता लेकर जीतने से तो हारना अच्छा है। कालसर्प कर्ण की नीति-निष्ठा को सराहता हुआ वापस लौट गया। उसने कहाः कर्ण तुम्हारी यह धर्मनिष्ठा ही सत्य है, जिसमे अनीतियुक्त पूर्वाग्रह को छद्म की कहीं स्थान नहीं।

अंतर्मन

आज की पाती

ओजोन सुरक्षित तो हम सुरक्षित

ओजोन के संरक्षण के लिए ही 19 दिसंबर 1964 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरराष्ट्रीय ओजन दिवस मनाने की घोषणा की थी। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के लगभग 45 देशों ने ओजोन परत को खत्म करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर 16 सितंबर 1987 को हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद पहली बार 1995 को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया और इसके बाद से हर साल यह दिन मनाया जाता है। कुदरत का अनमोल तोहफा स्वर्ग जैसी धरती और धरती के संरक्षण के लिए कुदरत ने बहुत कुछ हमें दिया है। इसी तोहफे में से एक है ओजोन परत। ओजोन परत का संरक्षण उसी तरह जरूरी है, जिस तरह हम बीमारियों से बचने के लिए अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं।

– योगेश पाठक, दुर्ग

ट्रेंड

प्रौद्योगिकी की दुनिया

भारत ने प्रौद्योगिकी की दुनिया को समावेशी बनाया है। इसने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का लाभ उठाया है। इसे भारत के सभी क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निर्वाचन आयोग का स्वागत

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र व झारखण्ड राज्य विधानसभा आमचुनाव के लिए तारीखों की घोषणा का स्वागत। चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो, उतना ही बेहतर।

- मायावती, बसपा प्रमुख

इसरो प्रमुख का सम्मान

इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ को प्रतिष्ठित आईएएफ विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने भारत के 'चंद्रयान3' अंतरिक्ष अन्वेषण का नेतृत्व कर हमें सफल चंद्र लैंडिंग में सक्षम देशों के एक विशिष्ट समूह की श्रेणी में ला खड़ा किया।

-किरण मज़ूमदार-शॉ, उद्यमी

बॉलीवुड में 25 साल पूरे

बॉलीवुड में 25 साल पूरे होने के लिए बहुत आभारी हूं। एक ऐसे क्षेत्र में काम करना जो नौकरी नहीं बल्कि वरदान जैसा लगता है। इस यात्रा में आपके प्यार के लिए धन्यवाद।

-आफताब शिवदासानी, अभिनेता

करंट अफेयर

तालिबानी मीडिया प्राणियों की तस्वीरें नहीं दिखा रहा

तालिबान द्वारा संचालित मीडिया ने नैतिकता कानूनों का पालन करने के लिए अफगानिस्तान के कुछ प्रांतों में प्राणियों की तस्वीरें दिखाना बंद कर दिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। देश के धर्माचरण मंत्रालय ने अगस्त में सार्वजनिक परिवहन, दाढ़ी बनाना, मीडिया और समारोहों जैसे रोजमर्रा के जीवन के पहलुओं को नियंत्रित करने वाले कानूनों को प्रकाशित किया था जो इस्लामी कानून या शरिया की अधिकारियों की व्याख्या को प्रतिबिंबित करते हैं। अनुच्छेद 17 के तहत प्राणियों की तस्वीरों के प्रकाशन पर प्रतिबंध है, जिससे अफगान मीडिया और प्रेस की स्वतंत्रता पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ-उल-इस्लाम खैबर ने कहा कि तखार, मैदान वरदक और कंधार प्रांतों में सरकारी मीडिया को सलाह दी गई है कि वह ऐसी किसी भी चीज़ का प्रसारण या प्रकाशन न करें जिनमें जान होती है, मसलन इंसान और पशु। खैबर ने एक दिन पहले 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया था कि मंत्रालय नैतिकता कानूनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है । उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या ये नियम विदेशी मीडिया सहित सभी मीडिया संस्थानों पर लागू होंगे या सिर्फ अफगान चैनलों और वेबसाइट पर ही लागू होंगे।

ऑफ बीट

सर्दी और फ्लू के मौसम के लिए बरते सावधानी

जैसे-जैसे शरद ऋतु और फिर शीत ऋतु के महीने आ रहे हैं, कनाडाई लोगों से आगामी मौसम के दौरान फ्लू के प्रति सावधानी बरतने का आग्रह किया जा रहा है। कनाडा में फ्लू का मौसम आमतौर पर दिसंबर और फरवरी के बीच चरम पर होता है, लेकिन वायरस इससे भी पहले फैल सकता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकारी शीघ्र टीकाकरण की वकालत कर रहे हैं तथा इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वार्षिक फ्लू टीका संक्रमण से बचाव तथा बीमारी की गंभीरता को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। कनाडा भर में स्वास्थ्य केंद्र फ्लू का टीकाकरण निशुल्क करते हैं। इन्फ्लूएंजा इन्फ्लूएंजा को आम तौर पर फ्लू के नाम से जाना जाता है। यह इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण होने वाली एक श्वसन संबंधी बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैलती है। ये वायरस मुख्य रूप से नाक, गले और फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। फ्लू के लक्षणों में आमतौर पर बुखार आना, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द, खांसी, नाक बंद होना, नाक बहना, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। सामान्य सर्दी के विपरीत, जो अक्सर धीरे-धीरे बढ़ती है, फ्लू अचानक होता है और निमोनिया, ब्रोंकाइटिस जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है।

अवैध पट्टो के नाम करोडों की लूटपाट करने वाले भष्ट्राचारी अधिशाषी अधिकारी ने बनाएँ बडे पट्टो की अवैध वसूली कर पट्टे खारिज करने चाहिए...

सुमेरपुर पैराफैरी क्षेत्र अवैध निर्माण फैक्ट्रीया फार्म हाउस कोलोनीया की जाँच होनी चाहिए वह पालिका कोष का किया नुकसान ईनसे वसूला जाएँ

डूडी के सुमेरपुर ईओ रहते हुए बनाए गए फर्जी पट्टे व कोटेशन बिल का फजीर्वाडा सहित अन्य फर्जी कार्य की जाँच करावे अरबों रुपये के धोटाले सामने आएंगे कौन कारवाई करेंगा

द पुलिस पोस्ट

सुमेरपुर क्षेत्र में अवैध पट्टो खाँचा भूमि स्टेट ग्राउन्ड व 69 क के नाम फर्जी पट्टे व गोचर भूमि मे बनाएँ फर्जी पट्टे को खारिज कर भष्ट्राचार ब्यूरो मे दर्ज मुकदमा की जाँच कर निलम्बित करावे

सुमेरपुर :नगर पालिका के क्षेत्र व पैराफैरी क्षेत्र में हुऐ अवैध कार्य बिल्डिंग होटले रिसोर्ट हॉस्पीटल फैक्ट्री सहित अन्य कोलोनीओ मे अवैध पट्टो को खारिज करावे व आर्य समाज वह आर्य समाज के पीछे पड़ी जमीने जो सरकारी बिलानाम वह मुख्य किस्म इसकी गोचर भूमि है गोचर भूमि में कभी भी पट्टा नहीं बन सकता क्योंकि वह गौ माता के लिए आरक्षित भूमि होती है इसी मुख्य सडक पर भी बडे बडे काम्पलैक्स होटलों बडे फ्लेट बनाकर भूमाफियाओ ने चाँदी काट दी है इन अधिकारियों ने तो गोचर की भूमि वह विवेकानंद बस स्टैंड के सामने पहाड़ियों पर जो अरावली रेंज की पहाड़ियां है उस पर बड़े-बड़े काम्पलैक्स काटकर अपने चेहतो को बांट दिए वह अपने नाम के भी लेकर रख दी क्यों नहीं सुधरना चाहते यह अधिकारी सरकारी धन खुद की बापुती समझकर तुरंत इन दुकानों को अतिक्रमण समझ कर तुरंत अतिक्रमण हटाया जाएंगा तो आम जनता को न्याय मिलेगा ऐसे ही रहा तो यह पहाड़ी कुछ भूमाफियाओ के हाथों खत्म कर देंगे वहां पर बड़ी-बड़ी दुकानें बनाकर बेचने का ठेका भी ले रखा हो पालिका प्रशासन ने तो तीस प्लाट काटे थे पर एक दुकान करीब 5 लॉख रुपए में बेची गई वह 20 लॉख रुपया रिश्वत लेकर उसके नाम की कर दी अधिशाषी अधिकारी ने तो कुछ अपने रिश्तेदारों परिवार वह दोस्तों के नाम कर दी दुकान आज की रेट में एक दुकान गरीब एक करोड़ रूपया से अधिक है फिर भी पालिका प्रशासन मौन क्यों बैठा है क्योंकि इसमें पालिका अध्यक्ष महोदय के पुत्र के नाम की भी दुकान बताई जा रही है इसकी जांच होनी आवश्यक है पूर्व अधिशाषी अधिकारी डुडी ने जब सुमेरपुर मे कार्यरत थे तब ईनके हाथो से बनाएँ फर्जी पट्टे व गोचर भूमि मे फर्जी पट्टे व सरकारी जमीन पर डबल पट्टे पहाडियों पर पट्टे जारी कर दिया करोडों रुपए लेकर जिसका पूर्व मे भष्ट्राचार ब्यूरो पाली मे मुकदमा दर्ज है फिर भी शिवगंज नगर के कुछ भष्ट्राचारी ईस अधिकारी को लेकर बैठे है शिवगंज मे भी ईन पर भष्ट्राचार ब्यूरो जयपुर मे मुकदमा दर्ज हुआ है फिर भी कुछ भष्ट्राचारी लेकर बैठे है शिवगंज पालिका मे स्वायत शासन विभाग जयपुर मे भष्ट्राचारी जमकर बैठे कल डुडी को 16 व 17 सी सी का नोटिस थमा दिया है अब कभी भी यह श्रीमान आयुक्त कमिशन साहब नही बन सकते फिर भी राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के खास कहलाने वाले जिला उपाध्यक्ष के साथ धोखाधड़ी की है फिर भी धन के बल पर यहाँ पर जमकर बैठे है क्यू नही हटा रहे है वह पालिकाध्यक्ष के काले कारनामों की जाँच होनी चाहिए पर धन लेकर छुप बैठें हैं वह आचार्य ने नहीं छोड़ी इंदिरा रसोई के पैसे बिल उठा दिए करोड़ों में भ्रष्टाचार किया तत्कालीन आयुक्त वह अध्यक्ष जयपुर में बैठे योजना के अधिकारी भारद्वाज व पूर्व निर्देशक हृदयेश शर्मा इन्होंने मिलकर सरकारी धन को करोड़ों का चूना लगाया ईन्दरा रसोई में ईन्होंने चलाने वालों के साथ भी फजीर्वाड़ा किया हर बिल से प्रति इंद्ररा रसोई के ?2000 एक बिल बनाने के लेते थे यह अधिकारी और फर्जी सामग्री वह फर्जी बिलों के पैसे अलग है उन्होंने करोड़ों रुपए तो खाली गांवो में चालू करने के सामग्री नगर पालिका ने फर्जी बिल बनाकर दो करोड रुपए तो खाली इस पूर्व आयुक्त योगेश आचार्य ने ही खाए गरीबों की रसोई में करोड़ों का फजीर्वाड़ा किया और हर जगहों के दो दो जगह से अलग अलग भुगतान हुए लोगों ने खाना नहीं खाया उसका भी पैसा उठ गया क्योंकि चपरासी से बना आयुक्त आचार्य बिना सामग्री बिल पर परिषद से किया भुगतान क्योंकि इनको भुगतान करना नहीं था उसके बाद भी उन्होंने भुगतान कर दिया सुमेरपुर नगर पालिका में इंदिरा रसोई की हुए फजीर्वाडा की भी जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए वह फर्जी बिलों भी लूट क्योंकि कुछ कांग्रेसी नेताओं ने इंद्ररा रसोई के ठेके ले रखे थे जो कांग्रेस सरकार टाइम में करोड़ों रुपए लूटे क्योंकि सुमेरपुर विधायक कुमावत ने तो ध्यान दिया ही नहीं इसमें पडोसी पूर्व विधायक ने अपनी राजनीतिक कर अधिकारियों पर दबाव बनाकर कई फर्जी बिल उठा दिए जो इंदिरा रसोई के नाम से थे क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी ऐसे ही इन्होंने कई कारनामे किए जिसका पुरा करना उच्च अधिकारियों की ही बातें रसोई में जब भी ठेकेदार का बिल उठता था तो डीएलबी में बैठे अधिकारी भारद्वाज प्रति बिंल के ?2000 लेते थे इससे ज्यादा भी लेते होंगे क्योंकि इन्होंने नहीं छोड़ा किसी भी गरीब को इनको खाली पैसा चाहिए था तो इंदिरा रसोई के नाम पर इसने करोड़ों रुपए की बंटरबाट कर दी ऐसे तो इन्होंने कई टेंडर में भ्रष्टाचार किया इन्होंने सप्लाई में ही करोड़ों रुपए बनाएँ उनके क्षेत्र का ठेकेदारों को फायदा देकर इस आयुक्त ने अपने ड्राइवर वह अन्य चमचो की फर्मो के नाम से उठे राशि क्योंकि भ्रष्टाचार ब्यूरो के अधिकारियों ने इसके विरुद्ध कार्यवाही बराबर नहीं की क्योंकि इसके पास अरबों रुपये का सामान फिर भी कम पैसा बताना ही गलत है महंगाई राहत कैंप 2023 आयुक्त व सभापति ने नगर परिषद नगर पालिका के खजाने में लाखों के फर्जी भुगतान किया इंदिरा रसोई सामग्री खरीदी के घोटाले में डीएलबी ने परिषद में नगर पालिका से रिपोर्ट मांगी थी पर रिपोर्ट के बदले वहां पर पैसे पहुंच गए नगर पालिका सुमेरपुर में जितनी भी ईन्दरा रसोई चल रही है उन सभी की जांच करवाई जाएगी वह करोड़ों के भ्रष्टाचार उजागर होना जरूरी है नहीं तो यह अधिकारी सरकार को चूना लगाकर चले जाएंगे क्योंकि इनका एक साथी 31 अगस्त को रिटायर हो गया वह स्वायत शासन विभाग में सबसे फजीर्वाडा उसके हाथों से ही होता था पर अब रहे इंदिरा रसोई के निर्देशक भारद्वाज द्वारा किए गए उल्टे

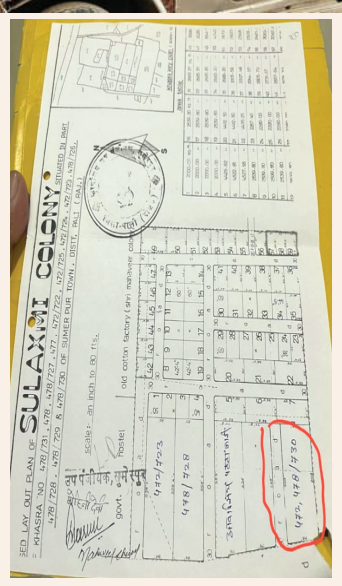

सीधे कामों की जांच होनी जरूरी है गहलोत सरकार में इन्होंने लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी करोड़ों रुपए बनाए सरकार को चूना लगाकर इसी आचार्य व डुडी ने सुमेरपुर नगर पालिका के अध्यक्ष के पुत्र से करोड रुपए के टेंडर बिल कोटेशन बिल बनाकर फर्जी काम करवाए नहीं हुए काम फिर भी उठा दिया गया पैसा इन्होंने हर जगह का पैसा बिना काम किया पहले उठा दिया गया कार्य की तकनीकी जाँच हुई नहीं किसी प्रकार की गारंटी उससे पहले ही यह बिल उठाना करोड़ों रुपए आपस में बंटरबाट करना इनका काम रह गया क्या अब इनकी जांच सीबीसीआईडी से या ईडी से करवाई जाएगी देखते हैं कि भ्रष्टाचारी जेल कब जाएंगे वह आगे करने वाले भष्ट्राचार वालों की पोल उजागर होगी तब जाकर इन भ्रष्टाचार्यों को पता चलेगा कि भविष्य में इतना भ्रष्टाचार कोई अधिकारी नहीं कर सके सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र सहित आसपास में जितने भी टेंडर बिल वह कोटेशन बिल हुए उनसे भी की जांच उच्च अधिकारियों से करवाई जानी चाहिए जिससे साफ पता चल जाएगा इन्होंने भ्रष्टाचार कितने करोड़ो का किया अब इनकी जांच कर इन भ्रष्टाचार्यों को जेल जाना आवश्यक है नहीं तो यह आगे और लोगों को परेशान करेंगे क्योंकि अभी भी यह चार्ज लेने के लिए जयपुर में चक्कर काट रहे हैं क्योंकि जब तक यह भ्रष्टाचारी जेल नहीं जाएंगे तब तक नगर पालिका का धन उनसे वसूल नहीं होगा क्योंकि उनकी संपत्ति जब्त कर दि धन गरीबों को बांटना चाहिए वह सरकार का लूटा खजाना सरकार में जमा होना चाहिए

इनका क्या कहना है

सुमेरपुर नगर पालिका में कांग्रेस सरकार में कार्यरत हुए अधिशाषी अधिकारी डुडी व आचार्य के काले कारनामों की जांच ईडी वह सीबीसीआईडी से करवाई जाए तब जाकर इन भ्रष्टाचार्यों की पोल उजागर होगी वह उनके कारनामों की जांच होगी वह इन दोषियों को जेल की सजा होगी तुरंत उनके द्वारा बनाए गए गोचर भूमि में पट्टो की जांच कर खारिज करावे वह फर्जी पट्टे बनाना सबसे बड़ा भ्रष्टाचार किया हुआ है डुडी द्वारा फिर भी सरकार इनको निलंबित क्यों नहीं करती सुमेरपुर नगरपालिका में फर्जी पट्टो वह कोटेशन बिलों की जांच कर तुरंत इन्हें निलंबित करावे भैरू चौक रोड पर एक गोचर भूमि में फर्जी जमीन का पट्टा बनाकर देना वह लाखों रुपए लेकर गोचर भूमि का पट्टा देना नियमों के विपरीत ईन्होंने पट्टा जारी कर दिया डुडी ने यह पट्टा करीब 30 लॉख रुपए लेकर जारी किया था जो नहीं हो सकता ऐसे ही इन्होंने कोटेशन बिलो से करोड़ों रुपए का भुगतान फर्जी उठाया गया इनके द्वारा बनाए जितने भी पट्टो की जांच करवा कर तुरंत इन्हें निलंबित करना चाहिए नहीं तो यह जांच प्रभावित कर देंगे इन्हें सुमेरपुर नगर पालिका के कार्यकाल के वक्त वह अब शिवगंज में रहकर सुमेरपुर से फाइल गायब करवा सकते है यह फजीर्वाडा करने का कार्यक्रम हमेशा बना रहता है तुरंत इनको निलंबित करना चाहिए सरकार को वह आचार्य की संपत्ति को जब्त कर गरीबों के लिए आशियाने बनाने चाहिए तब जाकर सुमेरपुर की जनता को न्याय मिलेगा नहीं तो सुमेरपुर की जनता का पैसा गरीबों में जाना चाहिए इन भ्रष्टाचार्यों ने खाकर सुमेरपुर को बदनाम कर दिया तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए

प्रेमचंद बरूत पार्षद व पूर्व जिला अध्यक्ष पाली सुमेरपुर

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र में पनप रहे भ्रष्टाचार अवैध निर्माण अतिक्रमण होटल हॉस्पिटल बहुमंजिला इमारतों सैकड़ो फैक्ट्री जिसकी नहीं तो निर्माण स्वीकृत है और नहीं उसका भूउपयोग परिवर्तन है क्योंकि यहां पर पैसों से सब कुछ बिकता है यहां पर कुछ मुख्यमंत्री जन आवास योजना बन रही है वह भी फजीर्वाड़ा में ही बन रही है सरकार को चूना लगाकर यहां पर अधिकारी और नेता पैसा वाले हो रहे हैं यहां के बड़े नेता ने तो अपने पुत्र को पैसा वसूलने मे लगा दिया वह दूसरे अपने पुत्र के नाम पर ठेका लेकर कमाई कर रहे हैं जनता को लूटा जा रहा है वह आम लोगों को परेशान किया जा रहा है खुद के बड़े-बड़े कांपलेक्सो बनाए जा रहे हैं क्यों नहीं उनके विरुद्ध कार्रवाई कर रही है प्रशासन क्या अब कार्यवाही होगी

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज

संक्षिप्त समाचार

गाजा में स्कूल पर हमले में बच्चों समेत 20 लोगों की मौत, सुरंग में इजराइली सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी कर रहे सरैंडर

येरूसलम, एजेंसी। मध्य गाजा में एक स्कूल में इजराइल के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अस्पताल ने यह जानकारी दी। नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाएं भी मारी गईं। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी हैं। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। शवों को नुसरत के अल-अवदा अस्पताल और दीर अल बला के अल-अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की बमबारी और गाजा पर उसके जमीनी आक्रमण में 42 हजार से अधिक फिलीस्तीनी मारे गए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के आतंकवादी अब इतने डरे हुए हैं कि वे मरने से बचने के लिए इजराइली बलों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों दक्षिणी लेबनान के एक गाँव में भूमिगत ढाँचे (सुरंग) में रह रहे एक आतंकवादी ने वहाँ पहुँची सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी टनल तक पहुंच गई जिसका एक वीडियो भी शेयर किया गया है जिसमें सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी सरेंडर करते दिखे। बता देमं दक्षिणी लेबनान में टनल में बड़ी संख्या में हिजबुल्लाह के आतंकी सक्रिय हैं जिनके खात्मे के लिए ढ्ढष्ठस्न लगातार इन टनल को निशाना बना रही है। राजधानी बेरूत पर इजराइल के हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। इस हमले में 22 लोग मारे गए थे। बाद में हिजबुल्ला ने कहा कि उसने इजराइल के विशिष्ट 'गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया तथा ड्रोन के हमले के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर कब्जा करने के लिए कई मिसाइलें दागीं।

अमेजॉन की जनजाति पर इंटरनेट का असर, शिकार छोड़कर फोन चलाते रहते हैं लोग

वाशिंगटन एजेंसी। इंटरनेट ने लोगों की जिंदगी को अच्छे और बुरे दोनों ही तरीकों से प्रभावित किया है। दूरस्थ अमेजॉन के जंगलों में रहने वाली जनजाति भी इसके प्रभाव से अपने आप को अछूता नहीं रख पाई है। अमेजॉन की मरूबो जनजाति के लोग पिछले दशक तक आधुनिक दुनिया से पूरी तरह से दूर रहते थे लेकिन पिछले कुछ समय में इंटरनेट ने उनकी दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जंगलों में बहुत अंदर बसे होने के कारण 2023 तक इनके पास मोबाइल फोन तो थे लेकिन लेकिन नेटवर्क ना होने की वजह से वह आधुनिक तकनीकि से अधिक प्रभावित नहीं थे। लेकिन फिर एलन मस्क ने इस क्षेत्र में अपने सैटेलाइट इंटरनेट स्टारलिंक को लॉन्च करके पूरी कहानी पलट दी। मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने इस जनजाति के गांव में कुछ एंटीना लगाए और अमेजॉन वर्षावनों की गहराई में रहने वाली मोरुबो जनजाति तक भी इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित कर दी। सितंबर 2023 में इंटरनेट की पहुंच के बाद इस जनजाति के लोगों के जीवन में बहुत ही तेजी से बदल गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में इस गांव के बदले हुए हालातों को बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव में लोगों के पास पहले से फोन थे लेकिन इंटरनेट ना होने की वजह से वह इनका उपयोग केवल फोटो खींचने और कभी-कभार बात करने के लिए करते थे लेकिन जब स्टारलिंक यहां आया तो जिंदगी बदल गई। त्साइनमा मोरूबो ने टाइम्स को बताया कि हमारी जनजाति में पहले लोग बहुत खुश रहते थे। अब वह दिन भर अपना काम काज छोड़कर मोबाइल फोन पर ही लगे रहते हैं। हमारे युवा जिन्हें काम करना चाहिए, वह इंटरनेट की वजह से आलसी हो रहे हैं। वे गोरे लोगों के तौर-तरीके सीख रहे हैं और लगातार अपनी जड़ों से कट रहे हैं। जनजाति के नेता अल्फ्रेडो मारुबो ने कहा कि युवा लोग अपने फोनों में अश्लील वीडियो देख रहे हैं।

यूक्रेन पर आफत गिरी, नारंगी हो गया आसमान ; रूस का गुप्त हथियार जो किसी के पास नहीं

कीव , एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दिन बढ़ने के साथ खतरनाक होता जा रहा है। इस महायुद्ध को अगले साल फरवरी महीने में तीन साल पूरे हो जाएंगे। इस बीच पूर्वी यूक्रेन के एक शहर कोस्तियातिन्विका में रूस का ऐसा गुप्त और रहस्यमयी हथियार गिरा, जिसने पूरी दुनिया में कौतूहल बढ़ा दिया है। यह गुप्त हथियार दुनिया में इकलौता और सबसे उन्नत किस्म का है, जो रूस के अलावा किसी और के पास नहीं है। जब यह यूक्रेन में फटा तो कुछ देर के लिए आसमान नारंगी हो गया। यूक्रेनियों ने ऐसा नजारा पहली बार देखा और मारे दहशत के बंकरों में छिप गए। इतने लंबे वक्त से चल रहे इस युद्ध में कभी इस हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यूक्रेन आशंकित है कि रूस का यह हथियार बताता है कि वह कुछ बड़ा करने की योजना बना रहा है। इस गुप्त हथियार से किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। ऐसी चर्चाएं हैं या तो यूक्रेनी लड़ाकों ने इसे हवा में ही नष्ट कर दिया या रूस द्वारा गलती से छोड़े जाने पर उसी ने इसे नष्ट कर दिया, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस गुप्त हथियार के साथ रूसी लड़ाकू विमान भी आसमान पर दिखाई दिए। रूस नहीं चाहता था कि यह दुश्मन के हाथ लगे और इस हथियार से जुड़ी जानकारी दुनिया के सामने आए। यह हथियार रूस का प्रसिद्ध एस-70 ओखोत्निक ड्रोन बताया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस तरह का उन्नत हथियार दुनिया में किसी के पास नहीं है। इससे पहले रूस ने जब भी यूक्रेन पर हवाई हमले किए हैं, आसमान पर सफेद रंग की रोशनी दिखाई दी है, लेकिन इस बार पूरा आसमान नारंगी रंग में नहाया हुआ दिखाई दिया।

दुनिया की इस जमीन पर नहीं है किसी भी देश का कब्जा, कोई भी जाकर बन सकता है पीएम

येरूसलम, एजेंसी। जमीन के लिए दुनिया के कई हिस्सों में देशों के बीच में लड़ाई मची हुई है। सबसे बड़ी लड़ाई इस वक्त फिलीस्तीन और इजरायल के बीच मची हुई है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन इजरायल से कुछ किलोमीटर दूर ही जमीन का एक हिस्सा ऐसा है जिस पर कोई भी देश कब्जा नहीं करना चाहता। दरअसल, हम बात कर रहे हैं बिर ताविल नामक क्षेत्र की, जो कि इजिप्ट और सूडान की सीमा के बीच में बसा हुआ है। इस रेगिस्तानी क्षेत्र पर ना तो सूडान अपना दावा करता है और ना ही इजिप्ट।

पिछले 60 सालों में यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय नेताओं के लिए एक चुनौती बना हुआ है। सहारा रेगिस्तान के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में बसे इस 2060 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र का नाम खानाबदोशों ने बीर ताविल रखा है, जिसका अरबी में अर्थ होता है ऊंचा पानी वाला कुंआ।

आखिर कोई देश क्यों कब्जा नहीं करना चाहता : सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक तरफ जहां पड़ोस में ही जमीन के एक छोटे से हिस्से के लिए इतना बड़ा युद्ध चल रहा है ऐसे में क्यों इजिप्ट, सूडान या फिर कोई अन्य देश इस खाली जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता.. दरअसल, इसके पीछे का कारण भी ब्रिटेन और 20वीं सदी में उसके द्वारा खींची गई

सीमाएं ही हैं। एक समय पर इस पूरे इलाके पर ब्रिटेन का कब्जा था, 1899 में ब्रिटेन और तत्कालीन सूडान सरकार के बीच हुए सीमा समझौते में एक सीमा रेखा खींची गई थी। कुछ ही समय बाद बिट्रेन के छोड़कर चले जाने के बाद इलाके में परेशानी होनी शुरू हो गई, लेकिन इस क्षेत्र को लेकर विवाद तब और ज्यादा बढ़ गया जब इजिप्ट और सूडान के बीच में 1902 में एक और सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इन दोनों सीमा समझौतों के कारण बिर ताविल एक ऐसा क्षेत्र बन गया कि अगर कोई देश उस पर अपना अधिकार जमाता है तो उसे एक बड़े हिस्से (हलाब त्रिभुज) पर से अपना अधिकार खोना पड़ेगा।

क्योंकि बिर ताविल एक सूखाग्रस्त इलाका है इसलिए यहां की जमीन में ना तो किसी तरह के कोई मिनरल्स हैं और ना ही यह जमीन उपजाऊ है। इसके कारण ना तो सूडान और ना ही इजिप्ट इस इलाके को अपने देश में शामिल करना चाहता है। दोनों ही देशों ने इस वनस्पतिविहीन और जनसंख्या विहीन इस रेगिस्तानी क्षेत्र के विवाद को अनसुलक्षा छोड़ना ही बेहतर समझा है। देशों ने छोड़ा तो लोग नया देश बनाने की कोशिश करने लगे दोनों देशों ने जब इस रेगिस्तानी इलाके के ऊपर के अपने विवाद को अनसुलझा छोड़ने का मन बना लिया तो कई लोगों ने इस पर अपना कब्जा जमाने की कोशिश की। 2014 में वर्जीनिया के एक किसान ने बिर ताविल में एक झंड़ा गाड़ दिया और खुद को उत्तरी सूडान के राज्य का गवर्नर घोषित कर दिया। उनका कहना था कि वह चाहते हैं कि उनकी बेटी राजकुमारी बनें। इसके लिए उन्होंने अपना झंडा बनाया और यहां पर गाड़ दिया। लेकिन उनके दावे को निरस्त कर दिया गया। इस घटना के तीन साल बाद 2017 में इंदौर के रहने वाले एक शख्स ने इस जगह को अपना देश घोषित कर दिया और इस जगह का नाम 'किंगडम ऑफ दीक्षित' रख दिया। उन्होंने अपने आप को यहां का राजा घोषित किया और अपने पिता को अपना प्रधानमंत्री बना लिया। इन दोनों के अलावा कई और लोगों ने भी इस जगह को अपना देश बनाने की कोशिश की। लेकिन सहारा के रेगिस्तान में इस जगह को लेकर ऐसा करना एक घूमने के उद्देश्य से ही किया गया था। सूखाग्रस्त होने की वजह से किसी भी देश की इस इलाके में दिलचस्पी नहीं है।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ीं, अपने ही सांसदों ने घेरा

ओटावा एजेंसी। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी ही पार्टी के सांसदों का उन पर भरोसा नहीं रहा है। कनाडा

में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के भीतर सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। सीबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल ही में हुए उप-चुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है, जिसके कारण असंतुष्ट सांसदों के बीच कई गुप्त बैठकें हुईं। ये सांसद प्रधानमंत्री पद से जस्टिन ट्रूडो को हटाना चाहते हैं और नेतृत्व में बदलाव के लिए कम-से-कम 20 नेताओं ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी साल जून महीने में टोरंटो-सेंट पॉल उपचुनाव में ट्रूडो की पार्टी आश्चर्यजनक हार हुई थी, जिसके बाद से ही उनकी पार्टी में जबरदस्त असंतोष पनप रहा है। संसद की वापसी के साथ यह अशांति और बढ़ गई और मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और भी बढ़ गई। एशिया में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ कैटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को बैठक करने और आगे की रणनीति बनाने का मौका दे दिया। इससे पहले, टोरंटो स्टार के शुक्रवार के एक पुराने आर्टिकल में भी 52 वर्षीय ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से दबाव डालने की कोशिशों के बारे में विस्तार से बताया गया था। अखबार ने बताया कि कम-से-कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। ट्रूडो पर दबाव बनाना चाहते हैं लिबरल पार्टी के सांसद हालांकि, आर्टिकल में बताई गई संख्या से असल आंकड़े कुछ कम हो सकते हैं। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटें हैं। असहमति जताने वाले नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित इस दस्तावेज को पारंपरिक पत्र के बजाए एक प्रतिज्ञा के रूप में बताया गया है, जिसका उद्देश्य ट्रूडो के इस्तीफे के लिए सांसदों से प्रतिबद्धता हासिल करना है, ताकि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से विरोध होने पर एक बाध्यकारी समझौता बनाया जा सके।

डोनाल्ड ट्रंप की जान के पीछे पड़े दुश्मन, हत्या का एक और प्रयास; रैली में संदिग्ध बंदूकधारी गिरफ्तार

बेरूत, एजेंसी। क्या अमेरिका में चुनाव में दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का तीसरी बार प्रयास हुआ है? दरअसल, रिपब्लिकन कैंडिडेट की कैलिफोर्निया रैली के पास सुरक्षा चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। इसके पास से गोलियों से भरीं बंदूकें, कई पासपोर्ट और नकली लाइसेंस प्लेट बरामद हुआ। इसे लेकर आशंका जताई जा रहा है कि यह शख्स रैली में ट्रंप की हत्या करने के मकसद से आया था। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ चाड बियांको ने कहा, हमारा मानना है कि विभाग ने हत्या के प्रयास को रोक दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ये फिलहाल अटकलें ही हैं। जेल रिकॉर्ड के मुताबिक, संदिग्ध को शनिवार को जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि संघीय जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हम यही जानते हैं कि संदिग्ध अलग-अलग नामों से कई पासपोर्ट, फर्जी लाइसेंस प्लेट, बिना नंबर वाली गाड़ी और हथियारों के साथ चुनावी रैली में पहुंचा था। इसे देखते हुए विश्वास है कि हमने हत्या के एक और प्रयास को रोक दिया। इससे पहले, ट्रंप पर हमले की घटना बीते महीने उस समय हुई जब वह गोल्फ खेल रहे थे। उनसे कुछ ही दूरी पर तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर मैदान के किनारे झाड़ियों के बीच एके राइफल का हिस्सा बाहर निकला हुआ था।

हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर दागे ड्रोन, 4 सैनिकों की मौत और 60 से ज्यादा घायल

बेरूत, एजेंसी। ईरान समर्थित आतंकी गुट हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर ड्रोन हमले किए हैं। यह अटैक इतना घातक था कि 4 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं। इजराइली बचाव सेवा की ओर से कहा गया कि बिनयामीना शहर में स्थित सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। इजरायल की वायु-रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। हालांकि, इस बार नुकसान पहुंचा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से 2 ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। हिजबुल्लाह ने बयान में कहा कि उसने बेरूत में इजरायल की ओर से किए गए 2 हमलों के जवाब में इजरायल की सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। गुरुवार को बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले 2 दिन में यह दूसरी बार है जब इजरायल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के उपनगर में ड्रोन अटैक हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हिजबुल्लाह के 50 लड़ाकों को मार गिराया- इजरायली सेना दूसरी ओर, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50

आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार रखे गए थे। इस बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपना अभियान जारी रखा। सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और टैंक फायर, शॉर्ट-रेंज फायर व वायु सेना के हमलों के माध्यम से कई आतंकवादियों को मार गिराया।

इजरायल पर आंच नहीं आने देगा अमेरिका, अब सबसे धांसू रक्षा प्रणाली की तैनाती का ऐलान

वाशिंगटन। इजरायल ईरान के बीच तल्खी बढ़ने के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। एक और जहां अमेरिका का कहना है कि वह क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी तरफ वह अपने साथी इजरायल को जंग में हर मोर्चे पर मदद भी कर रहा है। अमेरिका कथित तौर पर अपने सबसे बेहतरीन एंटी-मिसाइल सिस्टम, टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस को इजराइल भेज रहा है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भी इजरायल भेजा जाएगा। इससे पहले 13 अक्टूबर को ईरान ने अमेरिका को इज़राइल का साथ ना देने की चेतावनी दी थी। हालांकि इसके तुरंत बाद ही अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर इस कदम को उठाने का ऐलान किया है। हाल ही में 1 अक्टूबर को ईरान ने इज़राइल में 180 मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद से ही इजरायल इन हमलों का जवाब देने की तैयारी में है जिससे क्षेत्र में कभी भी जंग भड़क सकता है। थाड अमेरिका में निर्मित एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है। इसे बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया

गया है। यह छोटी, बड़ी और कम दूरी की मिसाइल हमले को आसानी से बेअसर कर सकता है। थाड एक बड़े इलाके को कवर कर सकता है और 150-200 किलोमीटर के बीच की दूरी पर दुश्मन के लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इससे पहले इजरायल ने पैट्रियट सिस्टम को भी तैनाती की थी। हर थाड बैटरी में आमतौर पर छह ट्रक-माउंटेड लॉन्चर, इंटरसेप्टर, रडार शामिल होते हैं और इसे संचालित करने के लिए करीब 95 सैनिकों की जरूरत होती है। अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण हिस्सा इस तैनाती से अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में सीधे तौर पर कूदने के संकेत दे रहा है। ईरान ने इज़राइल के खिलाफ मिसाइल हमले किए हैं और अमेरिका जवाब में इज़राइल की रक्षा में हर संभव प्रयास करने की बात कर चुका है। अब थाड सिस्टम की तैनाती से इजरायल की वायु सेना की क्षमता कई गुणा मजबूत हो जाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी सेना में फिलहाल सात थाड हैं।

इजरायल पर 9/11 जैसा हमला करने वाला था हमास, ऐसा क्या हुआ जो पीछे हट गए आतंकी

गाजा , एजेंसी। हमास के एक हमले के जवाब में इजरायल ने आतंकियों के गढ़ गाजा और राफा को श्मशान बना दिया है। कम से कम 44 हजार लोग मार डाले। इस भीषण नरसंहार से पहले हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर इजरायल पर विनाशकारी हमला किया था। यह हमला इतना भयावह था कि महज 20 मिनट में 5000 मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों की इतनी संख्या के कारण इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम भी उसे रोकने में नाकाम रहा। नतीजन इस हमले में 1200 से ज्यादा लोग मारे गए और इसके बाद हमास ने सीमा पार करके सैकड़ों को बंधक बना लिया। 250 में से 100 बंधक अभी भी उसके कब्जे में हैं। जिन्हें इजरायल छुड़ाने की जद्दोजहद में है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि हमास ने 7 अक्टूबर से पहले इजरायल पर 9/11 जैसा हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐन वक्त पर उसे प्लानिंग बदलनी पड़ी। 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास का इजरायल पर हवाई हमला न सिर्फ इजरायल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी उतना ही चौंकाने वाला था। इस हमले को लेकर हाल ही में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि इसकी योजना कई वर्षों से बनाई जा रही थी और इसे 2022 में ही अंजाम देने की योजना थी। हमास अमेरिका पर हुए 9/11 हमला जैसा करने की योजना बना रहा था। द न्यू यॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने इसे लेकर सनसनीखेज रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, हमास इजरायल पर एक साल पहले ही हमला कर लेता, लेकिन हिजबुल्लाह और ईरान से मदद मिलने में देरी के कारण यह मुमकिन नहीं हो पाया। हमास इन दोनों की मदद से अतिरिक्त धन से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहता था। हमास नेताओं और ईरानी अधिकारियों के बीच हुई वार्ता से जुड़े दस्तावेजों से पता चलता है कि हमास की प्लानिंग 7 अक्टूबर जैसे भयावह नरसंहार से कहीं अधिक थी।

हमास का बिग प्रोजेक्ट : ऐसा पता चलता है कि जनवरी 2022 की शुरुआत में ही हमास एक बड़े पैमाने पर ऑपरेशन पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें इजरायल में घुसकर उसके फेमस अजरीली टॉवर को 9/11 की तरह उड़ाने का विचार था। अलकायदा ने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका में दो विमानों का अपहरण किया और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में क्रैश कर दिया। इस हमले ने अमेरिका को हिला दिया था। जवाब में अमेरिका ने कुछ ही महीनों के भीतर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान स्थित उसके ठिकाने पर मार गिराया। दो वर्षों तक हमास का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इजरायल को तगड़ी चोट देकर बड़ा आघात करना चाहता था। इसके लिए उसने ईरान और हिजबुल्लाह के साथ 10 हाई लेवल की बैठकें भी की।

7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की साजिश में शामिल था ईरान? तेहरान ने दिया जवाब

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दल ने उन सभी रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें ईरान के ऊपर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। 7 अक्टूबर को हुए हमले को लेकर इजरायली सेना के हवाले से अमेरिकी अखबारों और इजरायली सरकार ने यह दावा किया था कि इजरायल के ऊपर अचानक हमला करने से पहले हमास ने एक गुप्त मीटिंग के जरिए ईरान और हिजबुल्लाह को इस बात की जानकारी दी थी। ईरानी मिशन से मीडिया कर्मियों ने जब इन दावों के ऊपर सवाल पूछा तो उन्होंने इन्हें पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं कतर में मौजूद हमास के उच्च अधिकारियों ने भी 7 अक्टूबर को हुए हमलों के बारे में बताया कि इस मिशन की जानकारी केवल गाजा में ऑपरेट कर रही हमास की सैन्य शाखा को थी। इस पूरे मिशन में उन्हें ही योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देश देने की जिम्मेदारी दी गई थी। ऐसे में इस घटना से किसी भी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह को जोड़ना गलता है। इससे पहले शनिवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इजरायली सेना ने अपने जमीनी अभियान के द्वारा हमास की गुप्त मीटिंगों के बारे में कुछ दस्तावेज जब्त किए थे, जिन्हें बाद में अखबार को दिए गए। इन दस्तावेजों में 7 अक्टूबर के हमले के साथ-साथ याह्या सिनवार और हमास के महत्वपूर्ण सूचनाएं दर्ज थीं। इन दस्तावेजों में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह दावा किया गया था कि हमास ने हिजबुल्लाह और ईरान को इस हमले के बारे में मनाने की कोशिश की थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर

हमला करके करीब 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके साथ ही हमास के आतंकवादी करीब 250 लोगों को बंधक बना कर अपने साथ गाजा ले गए थे। इसके बाद इजरायल ने हवा और जमीन दोनों जगहों से गाजा पर हमला बोल दिया।

पिछले एक साल में इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ कर रख दी। इन हमलों के बाद लेबनान का हिजबुल्लाह और ईरानी सरकार लगातार हमास का समर्थन करते हुए नजर आए हैं। लेबनान लगातार इजरायल के ऊपर मिसाइलों और रॉकेटों से हमला कर रहा है जिसके कारण इजरायल ने हमास के बाद लेबनान में भी जमीनी कार्रवाई करने का फैसला किया और हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नसरल्लाह की हत्या कर दी थी।

खबर संक्षेप

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध लाभ पांच प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में पांच प्रतिशत घटकर 16,563 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से तेल रिफाइनरी और पेट्रोरसायन कारोबार के कमजोर प्रदर्शन से कंपनी का मुनाफा घटा है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी।

विप्रो का नजीजे से पहले बोनस शेयर पर विचार

नई दिल्ली। आईटी कंपनी विप्रो ने कहा कि उसका निदेशक मंडल 16-17 अक्टूबर, 2024 को होने वाली बैठक में बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। 2024 को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करने वाली है। 16-17 अक्टूबर, 2024 को होने वाली अपनी बैठक में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करेगा।

आलोक इंडस्ट्रीज का घाटा बढ़कर 262 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। कपड़ा विनिर्माता कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज का सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 262.10 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले जुलाई-सितंबर की अवधि में 174.83 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था। कंपनी की आय 35.46 प्रतिशत घटकर 885.66 करोड़ रुपये रह गई।

अदाणी एनर्जी का केन्या में बिजली पारेषण के लिए करार

नैरोबी। भारतीय अरबपति गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने केन्या में 30 वर्षों के लिए प्रमुख बिजली पारेषण लाइनों के निर्माण और संचालन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने केन्या इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (केट्राको) के साथ एक परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए।

गौर ग्रुप परियोजना पर 4,000 करोड़ रुपए करेगा निवेश

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गौर ग्रुप नोएडा में 17 एकड़ की वाणिज्यिक परियोजना विकसित करने के लिए लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रबंध निदेशक मनोज गौर ने कहा कि यह किराये की संपत्ति बनाने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी आगामी ग्रेड-ए परियोजना में 50 लाख वर्ग फुट वाणिज्यिक क्षेत्र विकसित करेगी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने बिजली खरीद के लिए किया करार

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की अनुषंगी की अनुषंगी जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी थर्टीन लिमिटेड ने सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी के साथ 25 साल का बिजली खरीद समझौता किया है। 700 मेगावाट की सौर परियोजना के लिए शुल्क 2.59 रुपये प्रति किलोवाट घंटा है। कंपनी ने कहा, "जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी थर्टीन ने 700 मेगावाट की आईएसटीएस/ एसटीयू-कनेक्टेड सौर क्षमता के लिए एनटीपीसी के साथ एक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के जून, 2026 तक चालू होने की उम्मीद है।

रतन टाटा जैसा कोई नहीं था : एन चंद्रशेखरन का 'लिंक्डइन' पर पोस्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि दिवंगत रतन टाटा ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि टाटा समूह की कंपनियों में कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों की भलाई का भी ध्यान रखा जाए, जिससे समूह में कई नेता तैयार हुए।

- जो कोई भी टाटा से मिला, वह उनकी मानवता की कहानी लेकर गया

चेयरमैन ने कहा कि वास्तव में उनके जैसा कोई नहीं था। पेशेवरों के नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में टाटा (86) के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए उन्होंने लिखा, "जो कोई भी टाटा से मिला, वह उनकी मानवता, गर्मजोशी और भारत के लिए सपनों की कहानी लेकर गया। वास्तव में उनके जैसा कोई नहीं था।"

टाटा ने कर्मियों के साथ उनके परिवार की भलाई पर ध्यान रखा

समाधान खोजने में देरी पर जताया खेद

चंद्रशेखरन ने लिखा, "मार्च 2017 में टाटा और मैंने यूनियन नेताओं से एक साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान, टाटा ने तीन संदेश दिए। उन्होंने समाधान खोजने में देरी के लिए खेद व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कंपनी मुश्किलों से गुजर रही है। और हम दोनों ने प्रतिबद्धता जताई कि इस विवाद को एक पखवाड़े के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

टाटा से रिश्ता पहले कारोबार पर केंद्रित था

चंद्रशेखरन ने (दिवंगत) साइरस मिस्त्री को हटाए जाने के बाद 2017 में टाटा संस के चेयरमैन का पद संभाला था। उन्होंने कहा कि दिवंगत टाटा के साथ उनका रिश्ता 'वर्षों में प्रगाढ़ हुआ, पहले यह कारोबार पर केंद्रित था और अंततः अधिक व्यक्तिगत संबंध में विकसित हुआ।'

रोजमर्रा की जिंदगी महसूस की

संस के चेयरमैन ने याद करते हुए कहा, "हमने कारों से लेकर होटलों तक की रुचियों पर चर्चा की, लेकिन जब हमारी बातचीत दूसरे मामलों पर चली गई - रोजमर्रा की जिंदगी की - तो उन्होंने दिखाया कि उन्होंने कितना कुछ देखा और महसूस किया। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें समय के साथ और अनुभव के माध्यम से खोजा जाना था।"

कल्याण पर दिए गए जोर को किया याद

समूह के दिवंगत मानद चेयरमैन द्वारा कर्मचारी कल्याण पर दिए गए जोर को याद करते हुए चंद्रशेखरन ने लिखा, "चेयरमैन बनने के तुरंत बाद, मुझे टाटा मोटर्स के भीतर एक ऐसी स्थिति से परिचित कराया गया, जिसमें कंपनी और कर्मचारी संघ के बीच दो वर्षों से वेतन को लेकर विवाद चल रहा था।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 जारी की

आरबीआई का सीमा पार धन प्रेषण की लागत और समय कम करने पर जोर

- आरबीआई गवर्नर दास ने समय व लागत कम करने की वकालत की
- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए इसे महत्वपूर्ण बताया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से आगे बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

ई-कॉमर्स का महत्व बढ़ा

दास ने कहा कि सीमा पार श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन की महत्वपूर्ण मात्रा, पूंजी के सकल प्रवाह का बढ़ता आकार और सीमा पार ई-कॉमर्स के बढ़ते महत्व ने इस वृद्धि में उत्प्रेरक का काम किया है।

एआई के दुरुपयोग पर चिंता जताई

दास ने कहा कि मानकों और अंतर-संचालन का सामंजस्य सीबीडीसी के लिए सीमा-पार भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गंभीर वित्तीय स्थिरता चिंताओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग पर भी चिंता जताई और कहा कि इससे साइबर हमले और डेटा उल्लंघन की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

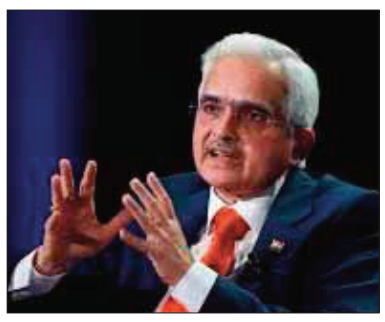

बैंकों को एआई का लाभ उठाना चाहिए

आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम शमन उपाय करने चाहिए। अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक के लाभों का लाभ उठाना चाहिए।'

पी2पी भुगतान की संभावनाएं तलाशी जाए

दास ने 'सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स' विषय पर आयोजित सम्मेलन में अपने संबोधन में कहा, "भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण शुरुआती बिंदु है। हमारा मानना है कि ऐसे धन प्रेषणों की लागत और समय को महत्वपूर्ण रूप से कम करने की अपार संभावनाएं हैं।"

आरटीजीएस का विस्तार किया जा सकता है

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इसके अलावा डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है।

द्विपक्षीय संपर्क का विस्तार : दास ने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं।

- भारत का धन प्रेषण अन्य देशों से बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया

प्रोजेक्ट नेक्सस शामिल

इनमें 'प्रोजेक्ट नेक्सस' भी शामिल है, जो चार आसियान देशों (मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड) और भारत की घरेलू त्वरित भुगतान प्रणालियों (आईपीएस) को आपस में जोड़कर त्वरित सीमा पार खुदरा भुगतान को सक्षम करने के लिए एक बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय पहल है।

सीबीडीसी में सीमा-पार भुगतान की सुविधा

द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत भारत द्वारा सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, श्रीलंका, नेपाल आदि के साथ सीमा पार भुगतान संपर्क पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक और क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा-पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है।

महंगी सब्जियों के चलते 9 महीने के उच्च स्तरों पर आ गई महंगाई

- सितंबर में 5 .49 फीसदी रही खुदरा महंगाई दर
- खुदरा महंगाई दर आरबीआई के टोलरेंस बैंड 4 फीसदी के पार जा पहुंची

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर की आशंका सच साबित हुई है। सब्जियों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के चलते खुदरा महंगाई दर में तेज उछाल देखने को मिला है। सितंबर 2024 के लिए जारी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के मुताबिक सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5 फीसदी को भी पार करते हुए 5.49 फीसदी पर जा पहुंची है जो अगस्त 2024 में 3.65 फीसदी रही थी। जुलाई 2024 में खुदरा महंगाई दर 3.54 फीसदी थी। खुदरा महंगाई दर आरबीआई के टोलरेंस बैंड 4 फीसदी के पार जा पहुंची है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सितंबर 2024 के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं उसके मुताबिक सितंबर 2024 में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स 5.49 फीसदी पर जा पहुंची है। ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 5.87 फीसदी और शहरी इलाकों में 5.05 फीसदी रही है। मंत्रालय ने बताया कि खुदरा महंगाई दर में ये तेज उछाल, हाई बेस इफेक्ट और मौसम के चलते हुआ है।

सितंबर में खाद्य महंगाई पर में बढ़ोतरी

सितंबर 2024 में खाद्य महंगाई दर में भी भारी बढ़ोतरी आई है और ये 9.24 फीसदी पर जा पहुंची है। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 9.08 फीसदी तो शहरी इलाकों में 9.56 फीसदी रही है। अगस्त 2024 में खाद्य महंगाई दर 5.66 फीसदी रही थी। इससे पहले आज वाणिज्य मंत्रालय ने जो होलसेल महंगाई के डेटा जारी किए उसके मुताबिक थोक महंगाई दर में भी उछाल देखने को मिला है।

सब्जियों की कीमतों ने बढ़ाई महंगाई

सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा महंगाई दर का जो आंकड़ा जारी किया है उसके मुताबिक सितंबर महीने में सब्जियों की महंगाई दर में भारी बढ़ोतरी आई है। सितंबर में सब्जियों की महंगाई दर 35.99 फीसदी रही है जो अगस्त में 10.71 फीसदी रही थी।

आईटी, बैंक शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 592 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंक शेयरों में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स में सोमवार को करीब 592 अंक की तेजी आई। एनएसई निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,000 अंक के पार निकल गया।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 591.69 अंक यानी 0.73 प्रतिशत उछलकर 81,973.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 690.81 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 163.70 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,127.95 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये चढ़कर 4,63,62,781.71 रुपये पर पहुंच गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है और ऐसा लगता है कि कंपनियों के हल्के तिमाही परिणामों को निवेशक पहले ही मानकर चल रहे हैं। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे, ने कहा, ''चूंकि एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) बाजार से पैसा निकाल रहे हैं, ऐसे में बाजार में इस तेजी से कोई मजबूत धारणा बनती संभवतः नहीं दिख रही है। इसका एक और कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव है, जिससे निवेशकों के बीच अनिश्चितता बढ़ी है।''

- निफ्टी 25,000 अंक के पार
- वैश्विक स्तर पर भी बाजार मजबूत रहे

टेक महिंद्रा रहा लाभ में : सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और एचसीएल टेक्नोलॉजीज लाभ में रहे।

मारुति के शेयर में रहा नुकसान : दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल हैं।

चीन का निर्यात सितंबर में पड़ा धीमा अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ी चिंता

- चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है
- वैश्विक मांग कम होने का असर पड़ा

एजेंसी ▶▶| हांगकांग

वैश्विक मांग कमजोर होने के कारण चीन के निर्यात में सितंबर में सुस्ती आई है। इससे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता बढ़ी है।

चीनी सीमा शुल्क कार्यालय ने सोमवार को कहा कि पिछले महीने निर्यात सालाना आधार पर डॉलर के संदर्भ में 2.4 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि अगस्त में इसमें सालाना आधार पर 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। सितंबर में आयात केवल 0.3 प्रतिशत बढ़ा। अर्थशास्त्रियों का अनुमान था कि निर्यात में लगभग छह प्रतिशत और आयात में लगभग 0.9 प्रतिशत की वृद्धि होगी। चीन का व्यापार अधिशेष सितंबर में 81.7 अरब डॉलर रहा। यह अगस्त के 91 अरब डॉलर के आंकड़े से कम है। चीन सरकार कोविड-19 महामारी समाप्त होने के बाद से अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए जूझ रही है।

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने कई उपायों की घोषणा : चीन के नीति-निर्माताओं ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। इसमें खर्च और निर्माण परियोजनाओं के लिए अगले साल के बजट से 200 अरब युआन (28.2 अरब डॉलर) का प्रावधान शामिल हैं। वित्त मंत्री लैन फान ने सप्ताहांत कहा कि सरकार तेज आर्थिक वृद्धि के लिए और भी कदमों पर विचार कर रही है।

चीन से पॉकेट लाइटर के पुर्जों पर आयात प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को पॉकेट लाइटर के पुर्जों पर आयात प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लगा दिया। यह कदम घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और चीन से आने वाली खेप पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, 'पॉकेट लाइटर, गैस से चलने वाले लाइटर, रिफिल न किए जाने वाले या रिफिल किए जाने वाले लाइटर (सिगरेट लाइटर) के पुर्जों का आयात तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित है। सरकार 20 रुपये से कम कीमत वाले सिगरेट लाइटर के आयात पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। सरकार ने घटिया सामान के आयात को रोकने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल आग पैदा करने वाले लाइटर के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानक जारी किए थे।

यात्री वाहनों की बिक्री 3 से 5% बढ़ने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में चालू वित्त वर्ष (2024-25) में तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वाहन उद्योग के संगठन सियाम ने सोमवार को कहा कि उद्योग को पहली छमाही में स्थिर रहने के बाद त्योहारी अवधि में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने चालू वित्त वर्ष में यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री में पांच से आठ प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि के लिए, यात्री वाहनों की बिक्री 20,81,143 इकाई रही, जो 2023-24 की इसी अवधि में 20,70,960 इकाइयों से मामूली वृद्धि है। उद्योग को अप्रैल-सितंबर की अवधि में वृद्धि की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, "यह थोड़ा आश्चर्यजनक था, खासकर मई और जून का महीना, जो हमारी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। मैं कहूंगा कि अप्रैल अब भी अच्छा था... और फिर हमने मई और जून में नरमी देखी, जिसका हमपर बुरा असर पड़ा।

- सियाम ने चालू वित्त वर्ष के लिए जारी किया अनुमान
- उद्योग को त्योहारी अवधि में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

भारत के कोयला आयात में 11 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान भारत का कोयला आयात 11.4 प्रतिशत बढ़कर 12.11 करोड़ टन हो गया। देश ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10.87 करोड़ टन कोयले का आयात किया था। ई-कॉमर्स मंच 'एमजंक्शन' के आंकड़ों के मुताबिक, "अप्रैल-अगस्त, 2024 के दौरान कुल कोयला और कोक आयात 12.11 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान आयात किए गए 10.87 करोड़ टन से लगभग 11.4 प्रतिशत अधिक है। अगस्त में कोयले का आयात एक साल पहले के 1.96 करोड़ टन से 5.4 प्रतिशत बढ़कर 2.07 करोड़ टन हो गया। अगस्त, 2024 में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का आयात सालाना आधार पर 1.18 करोड़ टन से बढ़कर 1.30 करोड़ टन रहा। कोकिंग कोयले का आयात 46.2 लाख टन से घटकर 45.3 लाख टन रह गया।

जीजेईपीसी ने सरकार से कड़े नियम बनाने किया आग्रह

हीरा प्राकृतिक या प्रयोगशाला में बना यह बताना व्यापारियों के लिए अनिवार्य हो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार से कड़े नियम बनाने का आग्रह किया है, जिसमें व्यापारियों को विपणन करते समय यह स्पष्ट रूप से बताना अनिवार्य किया जाए कि हीरा प्राकृतिक है या प्रयोगशाला में तैयार किया गया है, ताकि किसी तरह की अस्पष्ट स्थिति से बचा जा सके।

- व्यापारियों को बेचते समय स्पष्ट रूप से बताना होगा

उपभोक्ता मामलों के विभाग को भेजे गए पत्र में परिषद ने कहा है कि पारदर्शिता सुनिश्चित करना और स्पष्ट एवं मानकीकृत दिशानिर्देशों को लागू करना उपभोक्ताओं की सुरक्षा और घरेलू उद्योग की अखंडता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से हीरा उद्योग संकट में

ये दिशानिर्देश स्पष्ट रूप से परिभाषित, मानकीकृत नामकरण करते हैं और प्राकृतिक और प्रयोगशाला में तैयार किये गए दोनों हीरों के लिए अनिवार्य खुलासा जरूरतों को जरूरी बनाते हैं।" हीरा उद्योग पहले से ही रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है, क्योंकि इसने वैश्विक हीरा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है।

कच्चे हीरों का रूस प्रमुख उत्पादक

रूस पर प्रतिबंधों के साथ, जो एक प्रमुख कच्चा हीरा उत्पादक है, व्यापार को और अधिक जटिल बना रहा है और इससे वैश्विक हीरा व्यापार प्रभावित हो रहा है। उपभोक्ता का झुकाव प्रयोगशाला में तैयार किये गए हीरों की ओर मुड़ने से प्राकृतिक हीरों की मांग प्रभावित हो रही है।

शब्दावली का दुरुपयोग हो रहा

बताया गया कि भारत में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हीरों के विपणन और विज्ञापन में शब्दावली का व्यापक दुरुपयोग हो रहा है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे को हल करने के लिए परिषद ने अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) दिशानिर्देशों को अपनाने का पक्ष लेने का निर्णय लिया है।

शब्दावली पर बैठक बुलाने का अनुरोध

परिषद द्वारा विभाग को लिखे गए पत्र में कहा गया है, "हीरे की शब्दावली पर मानकीकृत दिशानिर्देशों की अनुपस्थिति अस्पष्टता की ओर ले जाती है। परिषद ने इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

अंतर करने कड़े नियम होने चाहिए

उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि व्यापारियों को हीरे बेचते समय स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि वे प्राकृतिक हैं या प्रयोगशाला में तैयार किये गए हैं। परिषद के अनुसार, उपभोक्ता संरक्षण कानून में इन दो हीरों के बीच अंतर करने के बारे में कड़े नियम होने चाहिए।

सेबी ने ट्रैफिकसोल आईपीओ खुलासे की जांच के दिए आदेश

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एसएमई कंपनी ट्रैफिकसोल आईटीएस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा आईपीओ दस्तावेजों में किए गए खुलासे की विस्तृत जांच करने का फैसला किया। इसके साथ ही सेबी ने बीएसई को कंपनी के शेयर सूचीबद्ध करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ने का निर्देश दिया। प्राप्त राशि को ब्याज वाले विशेष खाते में रखा जाए, और ट्रैफिकसोल या उसके सहयोगियों को अगली सूचना तक यह धनराशि न दी जाए।

गुजरात में 'शुद्धिकरण', दिल्ली में सप्लाई, 5000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति करने से पहले शुद्धिकरण के लिए दक्षिण अमेरिकी देशों से लगभग 1,300 किलोग्राम दवाएं गुजरात की एक दवा कंपनी में लाई गईं थीं। दिल्ली और गुजरात में नशीली दवाओं के सिलसिलेवार भंडाफोड़ के बीच यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक गुजरात और दिल्ली से 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें नवीनतम कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी है, जिसकी कीमत लगभग 5000 करोड़ रुपये है। यह बरामदगी गुजरात और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद की गई, इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई बरामदगी दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से कोकीन की ताजा बरामदगी के एक दिन बाद, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली भेजे जाने से पहले खेप को रसायनों के साथ मिलाकर परिष्कृत किया गया था। गुजरात से गिरफ्तार आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्वनी रमानी और ब्रिजेश कोठिया शामिल हैं, जो अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के सह-मालिक हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाकी दोनों में से मयूर देसाले कंपनी में उत्पादन का काम देख रहे थे, जबकि अमित ने मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और दवा कंपनी के मालिकों के बीच मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान में डेंगू से अब तक 6 मौंते... दहशत में लोग

जयपुर । राजस्थान में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस साल डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 साल का लड़का भी शामिल है। 14 साल के गिरिराज को अलवर के एक अस्पताल में तेज बुखार के साथ भर्ती किया गया था। मरीज में डेंगू की पुष्टि की गई। हालांकि, दो दिन के उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और अस?पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, सोमवार को मरीज की हालत फिर बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिली है कि डेंगू से मरने वाला गिरिराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। अब तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू से 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक आरएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक नर्सिंग छात्रा और एक व्यापारी शामिल हैं। उदयपुर में आरएएस अधिकारी तारू सुराणा की करीब 17 दिन तक डेंगू का इलाज चलने के बाद 5 अक्टूबर को मौत हो गई।

बहराइच हिंसा : मृतक के परिजन चाहते हैं सीएम योगी करें इंसाफ, हमें न्याय चाहिए

लखनऊ। बहराइच हिंसा में मारे गए शख्स के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से आरोपियों का एनकाउंटर करने की बात कही। मृतक की पत्नी ने कहा कि जैसे मेरे पति को मारा, वैसे ही उन्हें भी मारा जाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या सीएम योगी से न्याय मिलेगा तो उन्होंने कहा कि ये तो हमें जाकर ही पता चलेगा कि न्याय करते हैं या नहीं। हमें तो खून के बदले खून चाहिए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि पुलिस ने जो कार्रवाई की है, आप उससे संतुष्ट हैं या नहीं तो इस पर मृतक की पत्नी ने कहा कि हम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जब तक उन लोगों को सजा नहीं मिलती, हम संतुष्ट नहीं होंगे। वहीं परिवार के एक सदस्य ने कहा कि हमें न्याय मिलना चाहिए। हमने देखा कि उसकी हालत क्या थी। उस दौरान मेरे साथ कोई और नहीं था। न पुलिस और न ही कोई और। पूरी लापरवाही पुलिस की रही। उन्होंने आगे पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन और एसओ की लापरवाही नहीं होती तो कुछ नहीं होता। अगर लाठीचार्ज नहीं होता तो कुछ नहीं होता। हम गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं है। हमें उसका एनकाउंटर चाहिए। मृतक की मां ने कहा कि मेरा बेटा तो चला गया, अब हम क्या करेंगे। हमें बस न्याय मिलना चाहिए। वहीं मृतक के भाई ने कहा कि सीएम योगी से मिलने जा रहे हैं, उनको पूरी बात बताएंगे। हम पुलिस की कार्रवाई से खुश नहीं हैं। पुलिसवालों की लापरवाही का ही ये नतीजा है। मै वहीं मौजूद था जब हत्या हुई थी। हमें न्याच चाहिए।

इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा

नई दिल्ली । सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा होती है। शरद पूर्णिमा व्रत को कौमुदी व्रत, कोजागरी व्रत और रास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन चांद अपनी पूरी 16 कलाओं से युक्त होता है। मान्यता है कि इस चंद्रमा की चांदनी अमृत से युक्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन मां लक्ष्मी रात्रि में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा होता है, उन्हें मां सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 16 को रात 08:40 बजे पर होगा। आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04:55 बजे पर होगा। इस दिन चंद्रमा के निकलने का समय शाम 05 बजकर 05 मिनट पर होगा। शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग के साथ उत्तराभाद्र और रेवती नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा मीन राशि में रहेंगे। इस दिन रात में गाय के दूध की खीर बनाकर अर्द्ध रात्रि को भगवान को भोग लगाकर खीर को चांदनी रात में रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की किरणों से खीर में अमृत प्राप्त होता है। आधी रात में चंद्रमा को भी अर्घ्य देना चाहिए। पूर्णिमा की चांदनी औषधि गुणों से युक्त होती है। इसमें रखी खीर का सेवन करने से चंद्र ग्रह संबंधी दोष जैसे कफ सर्दी छाती के रोग, मानसिक कष्ट या डिप्रेशन की समस्या और हार्मोनल संबंधी बीमारी में लाभकारी है।

राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला, कही ये बड़ी बात

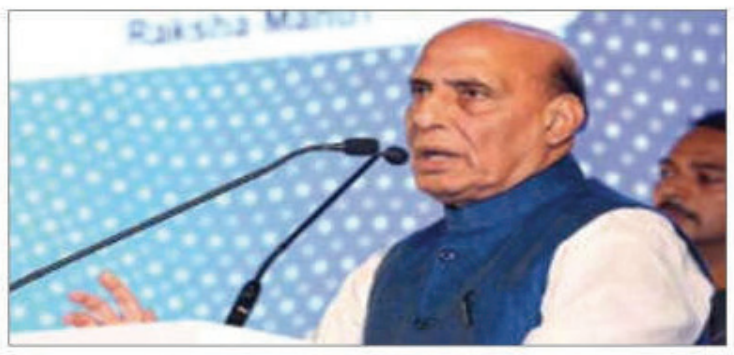

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूँ। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नज़र में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है।

राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की आज जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के डिफ़ेन्स सेक्टर में जो महान योगदान किया है उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास भी इस बात का गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया मेंअपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तो हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना तो जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मजबूत होना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तो चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर इस प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बातहो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियाँ का पूरा ध्यान रखा गया है। हमने इस बात का भी ध्यान रखा है, कि इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण के समय, अगर कहीं जरूरत हुई तो, प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की भी व्यवस्था सुनिश्चित करना की जाएगी।

लगा पटाखे फूट रहे हैं, तभी लोग चिल्लाने लगे फायरिंग हुई, फायरिंग हुई

-बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में घायल बोला-ऐसा लगा कोई पटाखा पैर के पास फूटा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत?याकांड के दौरान ही पैर में गोली लगने से घायल हुए युवक राज कनौजिया की स्थिति खतरे से बाहर है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जताया और वारदात के बारे में बताया कि गोली लगने के बाद अब वह दो महीने तक किसी भी तरह के एक?शन से दूर रहेगा,

जिसके चलते अगले साल फरवरी में होने वाली उसकी बहन की शादी में शामिल होना मुश्किल हो जाएगा। कनौजिया का कहना है कि जब गोली चली तो उसे लगा कि पैर के पास आकर कोई पटाखा फूटा है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स ने उसकी सर्जरी की है। राज ने बताया कि दशहरा होने के चलते उसकी छुट्टी शाम 5 बजे हो गई थी। वह सिलाई का काम करता है। देव मां के दर्शन करने के लिए वह यहां आया था और दुकान पर खड़े होकर जूस पी रहा था। तभी अचानक वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान राज के पैर में कुछ आकर टकराया। देखा तो उसके पैर से खून निकल रहा था। लोग इधर-उधर भागने लगे। लोग चिल्लाने लगे, फायरिंग हुई है, फायरिंग हुई है। एक पैर पर लंगड़ाते हुए वह किसी तरह मंदिर में पहुंचा। कुछ लोगों ने मुझे अंदर ले गए फिर मुझे अस्पताल ले जाया गया।

90 साल का भी हो जाऊंगा तो भी लोगों के लिए काम करता रहूंगा: शरद पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होना है। चुनाव आयोग दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों का ऐलान करेगा। इस बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं काम करता रहूंगा। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर ही रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करते रहेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-(एसपी) के नेता हैं। शरद पवार ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

उन्होंने कहा कि आप जब भी अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी यह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि मजे की बात तो यह है कि बीते दस सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फडणवीस के समय में पूरे पांच साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं। उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा चुनाव लड़ा है। लगातार आप लोगों की सेवा में ही लगा रहता हूं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है।

सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार की पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उन्होंने संगठन में बदलाव पर जोर दिया और कहा कि बीते 10 सालों में संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है। सैलजा ने कहा कि पार्टी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं से बात करेगी और उनकी राय ली जाएगी। यह पूछा जाएगा कि आखिर आप हार के क्या कारण मानते हैं। सैलजा ने कहा रिपोर्ट आने के बाद ही हाईकमान फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो हार हुई है, उसका अनुमान तो किसी को भी नहीं था। फिर भी किसी नतीजे तक पहुंचने से पहले हम फीडबैक लेंगे।

वहीं आपसी कलह पर राहुल गांधी के गुस्से वाली खबरों को सैलजा ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि हरियाणा चुनाव की बड़ी वजह कलह को ही माना जा रहा है। चर्चा है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के हाथ में ही चुनाव की पूरी कमान होने से सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने दूरी बना ली।

इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह यादव जैसे नेता भी उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा की ओर से बदलाव की मांग ने रार को नए सिरे से तेज कर दिया है। बता दें कि सभी

एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब नतीजे आए तो कांग्रेस नेता समेत राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन

कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या 55 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि 29 सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेज सकती है, जबकि बीजेपी अपने किसी वरिष्ठ नेता को उच्च सदन में भेज सकती है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, जिन्हें चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वे भाजपा के राज्यसभा नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को चार राज्यसभा सीटों में से एक से मैदान में उतारकर संसद भेज सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार में केवल 10 मंत्री हो सकते हैं, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने सबसे खराब प्रदर्शन में केवल छह सीटें जीतीं।

मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा, यूपी में भी बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है।

इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे। उपचुनाव में 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 रिक्त सीटों में से नौ पर उपचुनाव की घोषणा की। चुनाव याचिका लंबित होने के कारण उसने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की। लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद सीसामऊ को छोड़कर सभी सीटें खाली हो गईं। सीसामऊ में सपा विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप... 1 हजार पहुंची मरीजों की संख्या

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में डेंगू धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां ग्वालियर में मरीजों का आंकड़ा एक हजार को पार कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय हालात पर काबू पाने सक्रिय हैं। साफ सफाई अभियान से लेकर जमाव वाले पानी की जांच हो रही है। घर-घर सर्वे भी हो रहा है। राज्य के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ताजा आंकड़े के अनुसार ग्वालियर में 1000 से ज्यादा, भोपाल में 450, इंदौर में 440 और जबलपुर में 325 डेंगू के मामले सामने आए हैं। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर सर्वे कर साफ सफाई का अभियान भी चलाए हुए हैं मगर यह कोशिशें नाकाफी साबित हो रही है। उसका कारण भी है क्योंकि फागिंग मशीन हर इलाके में नहीं पहुंच पा रही है, जिससे मच्छरों की संख्या कम नहीं हो पा रही है, वहीं जगह-जगह पानी का जमाव है। यह स्थितियां मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार है।

इस स्थिति पर ग्वालियर की उच्च न्यायालय खंडपीठ ने भी चिंता जाहिर की है। खंडपीठ की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ग्वालियर में दलदली खुली भूमि पर जो पानी भरा है उस पानी को खत्म किया जाए, बीमारी को रोकने का एक मजबूत सिस्टम बनाया जाए। इसके साथ ही जो मरीज सामने आते हैं उन्हें

अस्पताल में भर्ती करने के अलावा गंभीर मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था की जाए। बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए नियमित सफाई और दवा के छिड़काव के साथ फॉगिंग मशीन का उपयोग करना जरूरी है।

जबलपुर के मलेरिया विभाग के अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर सितंबर में डेंगू का असर कम होता है मगर इस बार बारिश का सिलसिला ज्यादा दिन चला है, ऐसी स्थिति में सतर्क रहने की जरूरत ज्यादा है। जबलपुर में ही पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू के मरीज दोगुने से ज्यादा सामने आए हैं। आने वाले दिनों में मरीजों संख्या ज्यादा न बढ़े इसके लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुईं और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं। श्री स्टालिन ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में किए गए एहतियाती इंतजामों की भी समीक्षा की इन जिलों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट और तीन अन्य जिलों के साथ कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी तमिलनाडु और आंतरिक जिलों सहित राज्य के कुल 15 जिलों में आज भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, चेन्नई क्षेत्रीय मौसम निदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है, क्योंकि पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश होगी।

कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि आज भारी बारिश और कल अत्यधिक बारिश की

संभावना है। इस बीच, मध्य क्षेत्र सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में कल शाम से छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश हुई, जिससे मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। चेन्नई शहर और उपनगरों में भी कल रात से छिटपुट बारिश हुई और पूरी सरकारी मशीनरी तथा ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बारिश के कहर से निपटने के लिए सभी एहतियाती इंतजाम किए हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लिडीएल टॉवर, उए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111